● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 282, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरुवार, 28 नवम्बर 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

हिमांचल में किसानों के लिए बड़ी सौगात 5

बुमराह आईसीसी रैंकिंग में फिर नम्बर-1 बॉलर 6

मुझे सीएम बनने की लालसा नहीं : एकनाथ शिंदे

पीएम मोदी और अमित शाह का फैसला मंजूर, एकनाथ शिंदे ने साफ किया रुख

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना शिंदे गुट के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने बुधवार को सीएम पद को लेकर चल रही चर्चाओं को विराम दे दिया। उन्होंने कहा कि मेरे मन में सीएम बनने की लालसा नहीं है। पीएम मोदी और अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे मुझे मंजूर होगा। सरकार बनाते समय मेरी तरफ से कोई अड़चन नहीं आएगी। मैं चट्टान की तरह साथ खड़ा हूं। भाजपा की बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, हमें मान्य होगा। भाजपा का सीएम मुझे मंजूर है।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले ढाई साल में पीएम मोदी और अमित शाह ने मेरा पूरा सहयोग किया। अमित शाह और पीएम मोदी ने बालासाहेब ठाकरे के एक आम शिवसैनिक को सीएम बनाने के सपने को पूरा किया है। वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने मुझ पर विश्वास किया। मुझे मुख्यमंत्री बनाया और बड़ी जिम्मेदारी दी। मैं रोने वालों और लड़ने वालों में से नहीं हूं। मैं भागने वाला नहीं समाधान करने वाला व्यक्ति हूं। हम मिलकर काम करने वाले लोग हैं। ढाई साल तक हमने खूब काम किया है। महाराष्ट्र में विकास की रफ्तार बढ़ी है। हमने हर वर्ग की भलाई के लिए काम किया।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में महायुति को बहुमत मिला है। मैं जनता को धन्यवाद देता हूं। जनता ने महायुति पर विश्वास जताया है। विकास की योजनाओं को समर्थन मिला है। आम आदमी को कहां-कहां दिक्कत आती है, मैं समझता हूं। मैंने खुद को कभी मुख्यमंत्री नहीं समझा। मैंने आम आदमी की तरह काम किया। महाराष्ट्र की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की है। हमारे काम का नतीजा दिख रहा है। हमने लाडली बहन योजना पर काम शुरू किया। मैं लाडली बहनों का लाडला भाई हूं। उन्होंने कहा कि अगर मेरी वजह से महाराष्ट्र में सरकार बनाने में कोई समस्या आती है, तो पीएम मोदी और अमित शाह अपने में कोई संदेह न लाएं और आप जो भी फैसला लेंगे, वह मुझे मंजूर है। आप हमारे परिवार के मुखिया हैं। जिस तरह से भाजपा के लोग आपके फैसले को स्वीकार करते हैं, हम भी उसी तरह से आपके फैसले को स्वीकार करेंगे। मैंने कल पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को फोन किया और उन्हें बताया कि मेरी वजह से सरकार बनाने में कोई समस्या नहीं होगी।

महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र के कार्यवाहक सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे समझ नहीं पा रहे हैं कि भाजपा नेतृत्व क्या है। सीएम चेहरे की घोषणा में देरी के पीछे एक बड़ा कारण है। ईवीएम-बैलेट पेपर मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घोषणा की है कि हम बैलेट पेपर से मतदान बहाल करने के लिए अपनी आवाज उठाएंगे। महाराष्ट्र में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा।

महाराष्ट्र में नए सीएम के चयन को लेकर महायुति में फैसला लेने में हो रही देरी पर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। दावा किया गया था कि भाजपा हाईकमान जातीय समीकरण से लेकर एनडीए के सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना चाह रहा है। कयास लगाए गए थे कि देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने की स्थिति में एकनाथ शिंदे सरकार का हिस्सा नहीं होना चाहते। इन कयासों पर एकनाथ शिंदे ने बुधवार को विराम लगा दिया।

पिछले हफ्ते आए चुनावी नतीजों में शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महायुति गठबंधन ने भारी बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखी।

मनुष्य को सन्मार्ग पर चलना सिखाती है, सनातन संस्कृति : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति की विभिन्न शाखाएं संपूर्ण विश्व में फैली हुई है। इन शाखाओं के माध्यम से हिन्दू संस्कृति सर्वत्र व्याप्त है। उन्होंने कहा कि इसी संस्कृति को हम मंदिर संस्कृति भी कहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को लंदन के स्वामी नारायण संप्रदाय के मंदिर प्रांगण में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस्कॉन टेम्पल, स्वामी नारायण भगवान जैसे अन्य संप्रदाय विभिन्न प्रकार से सनातन संस्कृति का प्रसार कर रहे है। हमारे धर्म में 33 कोटि देवी-देवताओं को विभिन्न स्वरूपों में पूजा जाता है और यही सनातन संस्कृति और सनातन धर्म की सुंदरता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मार्ग भले ही पृथक-पृथक हो परंतु सदैव मंशा सद्भाव की होती है। उनके दिखाए हुए मार्ग पर चलना पूरे सनातन धर्म ने स्वीकार किया है। अहिंसा परमो धर्म का भाव जियो और जीने दो, प्राणी मात्र से प्रेम करो जैसे सरल मार्ग पर चलकर ही आता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसे में समूची मानवता को मंदिर संस्कृति अपने आप में समेटे हुए है। प्रस्तर शिल्प में सनातन संस्कृति जीवंत स्वरूप में दिखाई देती है। हमारी प्राचीन कला, संस्कृति और सभ्यता को विभिन्न स्वरूपों में पत्थरों पर उकेरा गया है, न सिर्फ प्रस्तर शिल्प बल्कि काष्ठ शिल्प भी सनातन संस्कृति विभिन्न रूपों में अपनी कहानी कह रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य में सनातन संस्कृति को लेकर मन के भावों को इन उत्कृष्ट कलाओं के माध्यम से जीवंत करने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि कदम-कदम पर चुनौतियों और कठिनाइयों के समय में मन की एकाग्रता के लिए मानवता के साथ अगर कोई सन्मार्ग पर चलना सिखाता है, तो वह सनातन संस्कृति ही सिखाती है, हमारा धर्म सिखाता है। उन्होंने कहा कि मैं अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मध्यप्रदेश की धरती से लंदन में आकर श्री स्वामीनारायण मंदिर में भगवान को नमन करने का अवसर मुझे प्राप्त हुआ।

शपथ ग्रहण से पहले अपने पैतृक गांव पहुंचे हेमंत सोरेन

रामगढ़। झामुमो नेता हेमंत सोरेन ने कहा कि गुरुवार से अबुआ सरकार (हमारी सरकार) की नई पारी शुरू होगी। सोरेन कल राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण से पहले हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना के साथ अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे, जो रामगढ़ जिले में आता है। यहां उन्होंने अपने दादा सोबरन सोरेन को उनकी 67वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और इस दिन शदीद दिवस के रूप में मनाया। हेमंत सोरेन ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, मैं अपने दादा सोबरन सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए हर साल इस जगह आता हूं। उन्होंने अपने गांववालों को रांची के मोराबादी मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सोरेन ने कहा, कल से अबुआ सरकार की नई पारी शुरू होगी। शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को होगा और मैं आप सभी को इस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। आपने बहुत मेहनत की है, जिससे अबुआ सरकार फिर से सत्ता में आई है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि हेमंत सोरेन के दादा को कर्ज देने वालों ने पैसे के लेन-देन की वजह से मार दिया था, जब झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रमुख शिबू सोरेन की उम्र महज 15 साल थी। नेमरा गांव घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसा है। यह गांव झारखंड-बंगाल सीमा के पास है और यहीं पर शिबू सोरेन का जन्म हुआ था। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झामुमो गठबंधन ने राज्य विधानसभ चुनावों में 81 में से 56 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि एनडीए को केवल 24 सीटें मिलीं।

दिल्ली में हर तरफ असुरक्षा का माहौल : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गृहमंत्री अमित शाह पर बड़ा हमला बोला है। बिगड़ती कानून व्यवस्था पर केजरीवाल ने अमित शाह पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में हर तरफ असुरक्षा का माहौल है। दिन दहाड़े गोलियां चलाई जा रही हैं। दिल्ली में करोड़ों रुपए की फिरौती मांगी जा रही है। आज शाम को ऐसे परिवारों से मिलने नांगलोई जाऊंगा। दिल्ली में हर तरफ़ डर और असुरक्षा का माहौल है। गली-मोहल्लों में गोलियां चल रही हैं, व्यापारियों को धमकियां दी जा रही हैं, सरे आम हत्याएं हो रही हैं।

कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है तेलंगाना की जनता : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना की जनता वहां की कांग्रेस सरकार से तंग आ चुकी है और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कुशासन की भयानक यादें अब भी उनके मन में ताजा हैं, लिहाजा वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर बड़ी उम्मीद से देख रही है।

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के भाजपा विधायकों और सांसदों के साथ एक बैठक के बाद यह बात कही। भाजपा विधायकों से मुलाकात के बाद तस्वीरें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, तेलंगाना भाजपा के विधायकों और सांसदों के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। उन्होंने कहा, राज्य में हमारी पार्टी की उपस्थिति तेजी से बढ़ रही है। तेलंगाना के लोग पहले ही कांग्रेस से तंग आ चुके हैं और बीआरएस कुशासन की भयानक यादें हैं। वे बड़ी उम्मीद से भाजपा की ओर देख रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा लगातार आवाज उठाती रहेगी। पीए मोदी ने कहा, हमारे कार्यकर्ता विकास के एजेंडे पर विस्तार से काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और बंडी संजय कुमार तथा वरिष्ठ नेता के लक्ष्मण सहित कई सांसद और विधायक शामिल थे। बता दें कि, पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा सीट में से कांग्रेस ने 64 सीट जीतकर सरकार बनाई थी।

उपचुनाव में भाजपा के लोगों ने कम प्रशासन ने ज्यादा मेहनत की : अखिलेश

अंबेडकर नगर। अंबेडकर नगर जिले के दौरे पर पहुंचे पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि कटेहरी का परिणाम शासन-प्रशासन ने छीना है। यह सपा की जीती हुई सीट थी जिसे भाजपा ने बेईमानी से जीता है। जब भाजपा को लगा कि खुद नहीं जीतेंगे तो अफसरों को आगे कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें चुनाव लड़ने का नया तरीका सिखाया है। कोचिंग दी है। हमारी सरकार आने पर हम अफसरों को देखेंगे। उन्होंने कहा कि इन चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कम प्रशासन ने ज्यादा वोट डाला।

2014 से अब तक रेलवे में हुई पांच लाख भर्तियां : अश्विनी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि पिछले दशक में रेलवे विभाग ने पांच लाख कर्मचारियों की भर्ती की है। यह संख्या पिछले दशक से थोड़ी ज्यादा है। उन्होंने यह बयान नागपुर के अजानी रेलवे ग्राउंड में आयोजित अखिल भारतीय एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में दिया।

मंत्री ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच भर्ती की संख्या 4.4 लाख थी। उन्होंने भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार वार्षिक भर्ती कैलेंडर की शुरुआत पर भी प्रकाश डाला। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएल भैरव, मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महाप्रबंधक नीनू मौजूद थीं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि वैष्णव ने संसद में प्रवेश करने से पहले संविधान को नमन करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कदम की भी सराहना की।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत का भाजपा पर हमला

कहा- गौतम अदाणी को बचा रही सरकार, नहीं हो रही जांच

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को अदाणी मामले को लेकर भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर ये आरोप किसी और पर लगा होता तो क्या सीबीआई इसी तरह चुप रहती? सब चुप हैं क्योंकि अदाणी का नाम आया है। ये सच है कि उन्हें यहां बचाया जा रहा है। उन्हें कैसे बचाया जा रहा है? कोई एजेंसी उनसे पूछताछ नहीं कर रही है। अगर संसद में चर्चा के लिए उनका नाम आता है तो सदन स्थगित हो जाता है और स्पीकर कहते हैं कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। उनके लिए नियम बदले जा रहे हैं। उन्होंने कहा

कि झूठ बोलना एक बड़ी कला है, लेकिन झूठ तब तक बोलो जब तक पकड़े न जाओ। उन्होंने बड़ी चतुराई से कहा कि गौतम अदाणी नाम एफसीपीए में नहीं है। जबकि वास्तविकता यह है कि एफसीपीए में केवल उन्हीं का नाम हो सकता है जो अमेरिकी नागरिक हैं। लेकिन उनकी पार्टनर कंपनी अजोर पावर का नाम इसमें है। उनके खिलाफ सबूतों की भरमार है। उन्होंने कहा कि दस्तावेज में उल्लेख है कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी रिश्वत देने की योजना बना रहे थे। उन्होंने रिश्वत दी है और उन्होंने ऐसे वादे भी किए हैं। मुद्दा यह है कि दस्तावेज में एक पीएसयू का नाम है। गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। गौतम अदाणी और उनकी पूरी मशीनरी झूठ भी मूखतापूर्ण तरीके से बोल रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अदाणी के खिलाफ हमारी चार प्रमुख मांगें हैं। हम मांग करते हैं कि अदाणी की गिरफ्तारी होनी चाहिए। सेबी, ईडी, आयकर और सीबीआई को इसकी निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। सदन में इस पर चर्चा की जानी चाहिए। भाजपा को अदाणी का बचाव करने से बचना चाहिए। गौतम अदाणी के खिलाफ केन्या, बांग्लादेश, अमेरिका, स्विट्जरलैंड, श्रीलंका, आस्ट्रेलिया समेत तमाम देशों में तफ्तीश हो रही है। टेंडर निरस्त हो रहे हैं।

संभल हिंसा में सनसनीखेज खुलासा

अफसरों के सामने महिलाओं ने किया था पथराव

संभल। संभल हिंसा के बाद जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पीआरओ और दो अन्य सिपाहियों पर हमले की सूचना पर पहुंचे डीआईजी, डीएम और एसपी पर सबसे पहले महिलाओं ने पथराव किया था। इसके बाद अन्य लोगों ने भी पत्थर फेंके थे।

यह बात अधिकारियों ने प्रेसवार्ता के दौरान बताई। कहा कि हिंदूपुरा खेड़ा में जब वह फोर्स के साथ पहुंचे थे तो तीन महिलाओं ने छतों से पुलिस पर पथराव किया। इसके अलावा अन्य लोग भी छतों से पथराव कर रहे थे। इसलिए तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि कई स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की डीवीआर भी नहीं मिली है।

एसपी ने कहा कि उपद्रवियों की पहचान कराई जा रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से 11 वीडियो जारी किए गए हैं। इसमें पांच वीडियो ड्रोन कैमरे, तीन कैमरे और तीन सीसीटीवी कैमरों के वीडियो हैं। इसमें उपद्रवी सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

बहुमंजिला इमारत में लगी आग, दो लोग झुलसे

मुंबई। दक्षिण मुंबई इलाके में 22 मंजिला इमारत में लगी आग में महिला दमकलकर्मी समेत दो लोग झुलस गए। डोंगरी क्षेत्र में अंसारी हाइट्स की 14वीं मंजिल पर एक फ्लैट में रसोई गैस सिलिंडर में विस्फोट होने के बाद आग लगी। जो 19वीं मंजिल तक फैल गई। इसमें मांडवी स्टेशन से जुड़ी महिला दमकलकर्मी अंजली अमोल जमदादे और एक अन्य नागरिक नासिर मुनि अंसारी 15 फीसदी तक झुलस गए। दोनों को महाराष्ट्र सरकार के बायकुला स्थित जेजे अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। दोनों की हालत स्थिर है। इससे पहले मुंबई के अंधेरी इलाके में बुधवार सुबह एक सात मंजिला रिहायशी इमारत में आग लग गई।

इस्राइल-लेबनान युद्धविराम का भारत ने किया स्वागत

कहा-क्षेत्र में आएगी शांति और स्थिरता

नई दिल्ली। भारत ने इस्राइल और लेबनान के बीच में संघर्ष विराम का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हम हमेशा से तनातनी खत्म करने, संयम बरतने और बातचीत तथा राजनयिक कूटनीति अपनाने पर बल देते रहे हैं। हमें लगता है कि इस घटनाक्रम से क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल और लेबनान स्थित हिजबुल्ला के बीच संघर्ष विराम बुधवार सुबह शुरू हुआ। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम इस्राइल और लेबनान के बीच घोषित संघर्ष विराम का स्वागत करते हैं। हमने हमेशा तनाव कम करने, संयम बरतने और बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। हमें उम्मीद है कि इन घटनाक्रमों से व्यापक क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी।

अक्टूबर की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि वैश्वीकृत दुनिया में कहीं भी संघर्ष वास्तव में हर जगह समस्याएं पैदा करता है। ईमानदारी से कहें तो आज, चाहे वह यूक्रेन में संघर्ष हो या मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) में। पूरी दुनिया इससे प्रभावित है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय का समाज के हर क्षेत्र में योगदान : योगी

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की एक गौरवशाली परंपरा रही है। न्याय पालिका में सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला न्यायालय तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से निकले छात्र सेवा दे रहे हैं। सार्वजनिक जीवन से लेकर विज्ञान, राजनीति, साहित्य. कला, शिक्षा हर क्षेत्र में यहां के छात्र आज देश का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय अपना पुरातन गौरव को प्राप्त करने के लिए जिस तरह से आगे बढ़ रहा है इससे वह दिन दूर नहीं जब वह अपने इस लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेगा। सीएम योगी बुधवार को इलाहबाद विवि के 136 वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जाने माने कवि कुमार विश्वास को मानद उपाधि प्रदान की। साथ ही अन्य मेधावियों को भी उपाधि दी।

सीएम योगी ने कहा कि हमें समय के साथ चलने की जरूरत है। जो समय के साथ नहीं चलता है समय उसको समाप्त कर देता है। इसलिए विवि को चाहिए को वह अपने छात्रों को समय की गति से दस कम आगे चलने के लिए तैयार करना चाहिए ताकि छात्र समय की चुनौतियों का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकें। कहा कि इलाहाबाद की यह खासियत है कि यहां जो जिस भाव से आता है वह वैसा ही बन जाता है। कहा कि इलाहाबाद विवि अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाना जाता है। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसमें इलाहाबाद विवि ने इस देश को कुछ न दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि समय के साथ चलेंगे तो समाज, देश और दुनिया हम सबका अनुसरण करेगी नहीं तो हम पिछलग्गू बनकर ही रह जाएंगे। यह व्यक्ति पर निर्भर है कि समय के साथ चलना है या अपने को पिछड़ा घोषित करना कर पिछलग्गू बनकर रहना है। इलाहाबाद विवि इसी द्वंद का शिकार है। विपरीत चुनौतियों का सामना करते हुए विवि अपनी पुरानी, प्रतिष्ठा और गौरव को प्राप्त करने लिए जूझ रहा है। एक दिन इसे जरूर सफलता मिलेगी इसमें कोई संदेह नहीं है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संविधान की मूल प्रति में पंथनिरपेक्ष और समाजवाद जैसा कोई शब्द नहीं है। यह दो शब्द तब जोड़े गए जब संसद भंग थी और न्यायपालिका के अधिकार कुंद कर दिए गए थे। जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने का काम किया था, वह आज संविधान बचाने का ढिंढोरा पीट रहे हैं। प्रश्न यह उठता है कि यह समाज उन लोगों का मूल्यांकन कब करेगा, जो लोकतंत्र के लिए स्वयं एक खतरा है। इन्होंने संविधान में स्वयं अपनी मर्जी से छेड़छाड़ करने का कुत्सित प्रयास करने के साथ लोकतंत्र को पैरालाइज करने का प्रयास भी किया है।

विकास के नाम पर सिंगरौली विनाश की ओर अग्रसर

धूल व धुएं की वजह से गंभीर बीमारियों की चपेट में रहवासी

एनजीटी के नियमों का नही हा रहा पालन, प्रशासन नही है गंभीर

सिंगरौली। आज सिंगरौली जिला विकास की ओर अग्रसर है। एशिया का सबसे बड़ा पावर प्लांट सिंगरौली में स्थापित है। इतने बड़े पावर प्लांट को लेकर पूरे हिन्दुस्तान में यह चर्चा है कि जहां इतने बड़े पावर प्लांट लगे हैं,वहां के लोग काफी खुशहाल होंगे। लेकिन पावर प्लांट से सटे गांव एवं कस्बे आज भी बिजली को रो रहे है। कहने को मध्यप्रदेश में 24 घंटे बिजली हर गांव में आती है लेकिन जिले का ऐसा कोई भी गांव व कस्बा नही होगा,जहां 20 घंटे भी बिजली मिलती हो। कभी मेंटीनेंस के नाम पर तो कहीं आंधी तुफान और कहीं बरसात को लेकर बिजली विभाग कभी भी बिजली गुल कर देता है। कभी भी बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन लगाने पर उनका फोन नही उठता। अगर गलती से उठ भी गया तो बता दिया जाता है कि घंटे आधे घंटे में सप्लाई चालू हो जायेगी। जबकि प्लांट से निकलने वाले धुएं व राख की व्यथा 10 किमी एरिया के लोग ही भुगतते है। यहां से जो बिजली का उत्पादन होता है और बिजली कहां भेजी जाती है यहां के लोगों को नही पता। सिर्फ यहां के निवासी त्रासदी ही झेलते है। सिंगरौली जिले में एनटीपीसी, हिण्डालको, एस्सार ,जेपी, रेनूसागर,अनपरा बोर्ड,लैंको पावर,एनटीपीसी बीजपुर पावर प्लांट की चिमनियां जहर उगल रही है। इन फैक्ट्रियों की चिमनियों से निकलने वाले धुएं इतने जहरीले हैं कि करीब 10 से 15 किमी की एरिया में इसके प्रकोप से लोग त्रस्त है। चिमनी के धुएं से निकलने वाली राख यहां के खेतो में परत दर परत जमती जा रही है, जिसकी वजह से फसलों की पैदावार पूरी तरह नष्ट हो रही है।

ईएसपी मशीने रहती है बंद

चिमनियों के धुएं मापदण्ड के अनुसार नही होते। जबकि नियम के तहत इएसपी मशीन 24घंटे चालू रहने चाहिए लेकिन किसी भी पावर प्लांट में यह मशीन रात्रि पाली में चालू नही रहती। जिसकी वजह से कोयले की परत के धुएं आसपास के गांवो में उडक़र खेतो में जाते हैं जिसकी वजह से कई गांवो की पैदावार पूरी तरह खत्म हो गई है।

धूल का गुब्बार उड़ाती खुली खदाने

जिले में कोल इण्डिया की जितनी भी खदाने है सब ओपेन कास्ट माइंस है। जहां प्रतिदिन बड़े-बड़े ब्लांस्टिंग होते हैं। जिनके धुएं का गुब्बार आसपास के गांवो में 4 से 5 घंटे तक फैला रहता है। धुंए का गुब्बार ऐसा होता है कि घंटो तक कुछ दिखाई नही देता। जिसे लेकर पर्यावरण व एनजीटी दिल्ली के अधिकारियों द्वारा कई बार एनसीएल प्रबंधन को पत्र दिया जा चुका है। लेकिन इस पत्र का आज तक कोई परिणाम सामने नही आया।

नही होता एनजीटी के निर्देशों का पालन

पावर प्लांट एवं खदानों को संचालित करने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं और पर्यावरण को बचाये रखने की कुछ शर्ते भी कंपनी प्रबंधन पर रखी जाती है। क्योंकि इस नियम का पालन कराने की जिम्मेदारी जिले में पदस्थ पर्यावरण विभाग को सौंपी जाती है लेकिन कंपनी प्रबंधन व पर्यावरण के बड़े अधिकारियों की मिलीभगत से सारे नियमो की अनदेखी करते हुए कंपनी प्रबंधन सिर्फ अपने हितो को ही ध्यान में रखकर काम करता है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बना मूकदर्शक

एनजीटी के नियम के अनुसार चिमनी से निकलने वाले धुंए ऐसे होने चाहिए जो बिलकुल सफेद व न दिखाई देने के बराबर हो। लेकिन इन पावर प्लांट की चिमनियों से निकलने वाले धुएं पूरी तरह काले दिखाई देते है। जिसका कारण यह है कि इएसपी मशीन को बाईपास कर प्लांट चलाए जाते है। इस मशीन को इसलिए बाईपास किया जाता है कि यह मशीन काफी बिजली खपाती है, जहां तक खुली खदानों का सवाल है यह तो पूरी तरह पर्यावरण के नियमों की धज्जियां उड़ाती है। जबकि खदानों को संचालित करने के लिए एक पौधे नष्ट होने पर 5 पौधे लगाने का नियम है।

बोलेरो ने बाइक सवार को रौंदा, गंभीर

बरका चौकी क्षेत्र की घटना

सिंगरौली। सरई थाना क्षेत्र के बरका चौकी अंतर्गत सप्ताहिक बाजार बरका में बुधवार की शाम एक बोलेरो वाहन बाइक सवार को रौंदते हुए फरार हो गया। घटना की जानकारी लोगो ने बरका पुलिस को दी। जहां मौके पर पहुंची बरका पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सरई अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सको ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार लालमन जायसवाल पिता स्व.जगन्नाथ जायसवाल निवासी बरका अपने निजी काम से कहीं जा रहे थे। जहां सामने से आ रहे बोलेरो वाहन ने रौंदते हुए चालक ने वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना उपरांत मोके पर पहुंची बरका चौकी पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सरई अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है।

गौरव के मौत पर छात्रों ने निकाला कैंडल मार्च, प्रशासन से रखी कई मांगे

सिंगरौली। महुआ गांव पत्रिका नगर में रविवार का दिन शोक और आक्रोश के साथ गुजरा। कक्षा 10 के छात्र गौरव जायसवाल की रेत लोड गाड़ी की चपेट में आने से हुई असमय मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद हजारों छात्रों ने एकजुट होकर कैंडल मार्च निकाला और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। कैंडल मार्च में शामिल छात्र-छात्राओं ने हाथों में मोमबत्तियां और पोस्टर थामे प्रशासन होश में आओ, होश में आओ के नारे लगाए। उनका कहना था कि गौरव की मौत केवल एक हादसा नहीं बल्कि लापरवाही और अतिक्रमण का नतीजा है। छात्रों ने मांग की कि शहर में बेतरतीब बढ़ते अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाए ताकि आने-जाने वाले लोगों को सुरक्षा और सुविधा मिल सके। छात्रों और स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से कई प्रमुख मांगे रखीं। जिसमें बाईपास रोड व स्कूल समय पर नो-एंट्री का सख्ती से पालन करने और स्कूलों के आसपास के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त बनाने की मांग की। स्कूल जाने वाले बच्चों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने की गुहार लगाते हुए छात्रों ने कहा कि ऐसी व्यवस्था हो जिससे किसी भी छात्र को इस तरह की दुर्घटना का सामना न करना पड़े। गौरव की स्मृति को अमर रखने के लिए छात्रों ने यह मांग भी की कि जिस स्कूल में वह पढ़ता था, उसे उसके नाम से जाना जाए। यह गौरव को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और आने वाली पीढीयों के लिए एक प्रेरणा भी। प्रशासन को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि इस घटना से सबक लेते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं ताकि गौरव की असमय मृत्यु व्यर्थ न जाए और उसकी स्मृति हमेशा जीवंत बनी रहे।

जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए चला हम होंगे कामयाब जागरूकता अभियान

सिंगरौली। हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अभियान 16 दिनों तक चलेगा। जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन भी किया जा रहा है। उक्त अभियान के दौरान जेंडर संवेदनशीलता और जेंडर आधारित मुद्दों पर जागरुकता बढ़ाने के लिए समुदाय, विशेषकर पुरुषों,युवाओं के साथ ही किशोरों,बच्चों के पालकोंए महिलाओं को जोड़ा जाना है। जिसको मद्देनजर रखते हुए थाना गढ़वा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मौहरिया में प्राचार्य जयकरण प्रसाद साकेत की उपस्थिति में थाना प्रभारी निरीक्षक गढ़वा अनिल कुमार पटेल एवं उनकी टीम के द्वारा हम होंगे कामयाब अंतर्गत गतिविधियाँ संचालित की गई। कार्यक्रम में थाना प्रभारी ने बताया कि जहां पर अधिक अपराध घटित होते हैं। ऐसे स्थानों को चिह्नित कर पुलिस द्वारा निगरानी किया जाएगा। इस दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक गढ़वा अनिल कुमार पटेल ,सउनि शिवाकांत बागरी,प्रआर गरुण प्रसाद,आर. चंद्रकेश यादव,अजीत उपाध्याय सहित शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रही।

तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकराई, दोनों युवक घायल

सिंगरौली। सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत चौरा टोला में तेज रफ्तार से जा रहे बाइक सवार अनियंत्रित होकर पलाश के पेड़ से टकरा गए। जहां दोनों युवकों को चोट आई है,वहीं हंड्रेड डायल की मदद से दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई में प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार बकहुल निवासी अर्पित दुबे पिता भांजा प्रसाद दुबे उम्र 28 वर्ष और महेंद्र कुमार बस उम्र 30 वर्ष करीब 3 बकहुल गांव से सरई जा रहे थे। बाइक की स्पीड ज्यादा थी जिसे अनियंत्रित होकर वह सडक़ से उतर गई और पलाश के पेड़ में जाता टकराई। घटना के बाद घायलों को हंड्रेड डायल की मदद सरई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वही प्राथमिक इलाज देने के बाद दोनों युवकों को बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

डीएवी हाईस्कूल में बच्चों की जेंडर आधारित हिंसा रोकने आयोजित की गई कार्यशाला

सिंगरौली

लिंग आधारित हिंसा इन दिनों चर्चा में है। जेंडर आधिरत हिंसा के बढ़ते मामलों को लेकर सिंगरौली एमपी मनीष खत्री और कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला सक्रिय है। इसी क्रम में नवानगर के डीएवी हाईस्कूल में बच्चों को जेडर आधारित हिंसा की रोक थाम के लिए जागरूकता अभियान की कार्यशाला लगाई गई। मिली जानकारी के अनुसार हम होंगे कामयाब अभियान के तहत नवानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत डीएवी हाईस्कूल में जेंडर आधारित हिंसा के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी गई। थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए हम होंगे कामयाब थीम पर डीएवी हाईस्कूल में 2 बजें पहुंच कर जागरूकता अभियान चलाया गया है। थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह छात्र-छात्राओं को बताया कि जेंडर के आधार पर कोई भी भेदभाव नहीं होना चाहिए। समाज में बच्चियों के मुकाबले बच्चों को ज्यादा लाड प्यार देकर उनकी आदतों को बिगाड़ देते हैं। वही बच्चे बाद में छेड़छाड़ जैसी घटनाएं करते हैं और बाद में बड़े अपराध कर बैठते हैं।

बच्चियों की शादी 18 साल में जबकि बच्चों की शादी 21 साल में ही करें ताकि शारीरिक, मानसिक सहित बौद्धिक रूप से परिपक्व हो जाएं। बाल विवाह करना और करना दोनों अपराध है। समाज में कहीं भी अत्याचार, प्रताडऩा, अपराध हो रहा है उसकी जानकारी पुलिस को दें। छात्राओं को अपराध के खिलाफ आवाज उठाना और थाने में जाकर अपनी पीड़ा बताने में हिचक ना करें। शिकायत करने वाले या फिर सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाता है।

बाल विवाह रोकने कलेक्टर ने दिलाई शपथ

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम हम होंगे कामयाब पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप मे आयोजित किया जा रहा है। बाल विवाह मुक्त भारत के उद्देश्य से केन्द्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग नई दिल्ली द्वारा 27 नवम्बर को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के उद्देश्य की पूर्ति के लिए कलेक्टर चंन्द्रशेखर शुक्ला ने कलेक्ट्रेट कार्यालय मे कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बाल विवाह मुक्त भारत बनाये जाने एवं अपने आस पास हो रहे बाल विवाह को तत्परता से रोकने हेतु बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल महिला हेल्पलाईन 181 अथवा चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 पर जानकारी दिये जाने के संबंध मे उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया गया। एवं बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते हुये बाल विवाह निवारण समिति द्वारा तत्काल निराकरण किये जाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर अरविंद झा, पीके सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर माइकेल तिर्की, सौरभ मिश्रा, नंदन तिवारी, अरविद द्विवेदी सहित जिलाधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय बरका कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सिंगरौली। अखिल भरतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने ि बरका में स्थित शासकीय महाविद्यालय बरका में कॉलेज प्रबंधन द्वारा विश्वविद्यालय को सीसी का डाटा नहीं भेजा गया । जिस कारण बा तृतीय वर्ष के 84 छात्राएं फेल और लम्बे समय से व्याप्त अनियमितताओं एवं छात्रों को जा रही समस्यायों के त्वरित निवारण के लिए महाविद्यालय परिसर में छात्रों के बड़े समूह के साथ आंदोलनात्मक प्रदर्शन कर महाविद्यालय में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। अखिल भरतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक निखिल वर्मा ने बताया की महाविद्यालय के छात्रों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि कुछ महीने पूर्व में जारी हुए परीक्षा परिणाम में बहुत ज्यादा गड़बड़ी देखने को मिली है,जिसमें कॉलेज प्रबंधन ने विश्वविद्यालय को सीसी का डाटा नहीं भेजा गया जिससे बा तृतीय वर्ष के 84 छात्राएं के परिणाम में फेल आए। महाविद्यालय में कक्षाएं समय से नहीं लगती हैं एवं समय सारणी का अभाव है,प्राध्यापक ठीक से कक्षाएं नहीं ले रहे हैं।

खेल तनाव को कम व शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है: सेन्थिलनाथ

हिंडालको महान में शुरू हुआ क्रिकेट का महाकुंभ

सिंगरौली। हिंडालको महान के क्रिकेट स्टेडियम में शीतकालीन अंतर्विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट श्महान प्रीमियर लीग का भव्य आगाज हुआ। इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर आयोजित इस टूर्नामेंट में कंपनी के विभिन्न विभागों की 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों में अधिकारी, कर्मचारी और उनके बच्चों की टीमें अपने शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि टूर्नामेंट में चार महिला टीमों ने भी हिस्सा लिया है, जो क्रिकेट के इस रोमांचक आयोजन को और भी खास बना रही हैं। इस टूर्नामेंट में कुल 120 खिलाडिय़ों के लिए 19 मेंटर्स नियुक्त किए गए हैं, जो टीमों का उत्साह बढ़ाने का काम करेंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत मुख्य अतिथि कंपनी प्रमुख एस. सेन्थिलनाथ, मानव संसाधन प्रमुख डॉ. विवेकानंद मिश्रा, स्मेल्टर हेड एस. शशि कुमार द्वारा टूर्नामेंट का भव्य आयोजन हेतु गेंद बल्ले से खेलकर शुरआत की। शुरूआती खेल के आयोजन में कार्मिक प्रबंधक जमाल अहमदएई एंड आई हेड सुब्रत पाढ़ी, खेल समिति अध्यक्ष पीके बोस,गौरव वर्मा,संजय चतुर्वेदी,सुदिप्ता नायक,आदर्श कुमार, गिरीश चौधरी, के पी शर्मा मनोज सिंह व सीएसआर प्रमुख संजय सिंह ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेन्थिलनाथ ने कहा महान प्रीमियर लीग का उद्देश्य युवाओं को खेल के माध्यम से मंच प्रदान करना और उनके अंदर टीम भावना का विकास करना है। खेल तनाव को कम करता है और शरीर में नई ऊर्जा का संचार करता है।

स्वच्छता के नाम पर लाखो खर्च फिर भी शहर समेत वार्ड नही हो रहे साफ

निगम की साफ-सफाई सिर्फ हवाहवाई,जगह-जगह कचरे का अंबार

कागजो तक सीमित है सफाई ,स्वच्छता अधिकारी पर खड़े हो रहे सवाल

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली शहर को साफ सुथरा व स्वच्छ बनाने लाखों-करोड़ो खर्च कर रहा है बावजूद इसके शहर साफ नही हो रहा है। निगम की साफ-सफाई व्यवस्था सिर्फ हवा हवाई है,शहर में जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है। नालियां जाम पड़ी हुई है। शहरवासी नालियों की दुर्गन्ध से परेशान है। नगर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित है। जिसको लेकर शहरवासी स्वच्छता अधिकारी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। क्योंकि नगर निगम के सफाई कर्मी सिर्फ मुख्य मार्ग को साफ कर कोरमपूर्ति कर रहे हैं। इसलिए स्वच्छता अधिकारी पर सवाल उठना लाजमी है।

गौरतलब हो कि नगर पालिक निगम सिंगरौली की साफ-सफाई व्यवस्था इन दिनो सिर्फ हवा हवाई साबित हो रही है। शहर में जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नगर निगम सिर्फ शहर की मुख्य मार्ग की सफाई कर स्वच्छता में नंबर 1 आने की होड़ में अमला जुटा हुआ है। जब कि निगम के वार्डो की स्थिति देखा जाए तो बद से बदत्तर है।

नगर निगम स्वच्छता को लेकर नगर निगम कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन व दीवालों पर इन दिनों स्वच्छता अभियान को लेकर कराये जा रहे डेंटिंग,पेंटिंग से साफ जाहिर होता है कि क्या इस तरह से सिंगरौली जिला साफ स्वच्छ हो पायेगा। यह आरोप शहरी क्षेत्र के वार्डों में रहने वाले रहवासियों ने लगाया है। नगर निगम के द्वारा जगह-जगह इन दिनों दीवालों पर स्वच्छता को लेकर डेंटिंग,पेंटिंग व स्लोगन लिखाये जा रहे हैं। लोगों ने निगम आयुक्त सहित मेयर, अध्यक्ष व ननि के अन्य अमले से सवाल किया है कि क्या ऐसे में सिंगरौली नगरीय क्षेत्र स्वच्छ होगा। यदि नहीं तो फिर इन सबके पीछे सरकार के पैसे को बर्बाद क्यों किया जा रहा है। रहवासियों ने कहा कि स्वच्छता को लेकर हर महीने ननि के द्वारा लाखों रूपये की सामग्री खरीदी की जाती है। लेकिन उसका उपयोग कहां होता है इसकी जानकारी किसी को नहीं है। जबकि जिन वार्डों में नालियों की साफ.-सफाई करायी जाती है वहां पर नियमत- ब्लीचिंग पाउडर सहित कीटनाशक दवाईयों का छिडक़ाव होना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्र.!4245 नि.पा.नि./2024

रीवा, दिनांक .26/11/2024

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा नगरीय निकाय नगर पालिक निगम रीवा द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ODF++ के मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन पश्चात स्वयं को ODF++ शहर (सभी 01 से 45 वार्ड तक) घोषित किया जाता है।

उपरोक्त के क्रम में इस सार्वजनिक सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की समयावधि में स्वच्छ भारत मिशन कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में कार्यालयीन समय 10.30 से 05:30 बजे तक अपनी आपतियों / सुझाव प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त दावे/आपतियां/सुझाव के निराकरण पश्चात नगर पालिक निगम रीवा को ODF++ घोषित करते हुये मध्यप्रदेश शासन को अवगत कराया जा सके।

पता : वेंकट रोड रीवा E-mail Id : commrewa@mpurban.gov.in

आयुक्त
नगर पालिक निगम, रीवा

भारतीय जनता पार्टी ने सच्चे अर्थों में किया संविधान का सम्मान : देव कुमार

भाजपा ने संविधान दिवस पर आयोजित की विचार गोष्ठी

सीधी। भारतीय जनता पार्टी ने संविधान दिवस पर पार्टी कार्यालय में विचार गोष्ठी का कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सच्चे अर्थों में संविधान का पालन किया है एवं संविधान को एक ग्रंथ के रूप में मान्यता दी। संविधान दिवस मनाने की घोषणा के साथ ही संविधान की पूजा अर्चना भी की।

भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कांग्रेस को आडे हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने तो संविधान की कई बार धज्जियां उड़ाई हैं। दर्जनों संशोधन कर संविधान की मूल आत्मा को समाप्त किया है। कांग्रेस ने धारा 370 के कारण जम्मू कश्मीर में संविधान लागू होने से वंचित करके रखा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने धारा 370 समाप्त कर पूरे देश में भारत का संविधान लागू किया। चुनाव में संविधान की प्रति लेकर लहराने वाली कांग्रेस ने तो हमेशा संविधान की हत्या की है। जनता द्वारा चुनी गई राज्य सरकारों को दर्जनों बार समय से पूर्व बर्खास्त कर संविधान की हत्या करने का महापाप किया था, जिसकी सजा कांग्रेस भुगत रही है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बृज बिहारी लाल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनिल पाण्डेय, सुरेश सिंह चौहान, जिला महामंत्री विनोद साकेत, मोतीलाल पटेल, सुनीता रानी वर्मा, मंडल अध्यक्ष मुनिराज विश्वकर्मा, अजीत पाण्डेय, शिवदान साकेत, विभा शर्मा, सीता शरण शर्मा, मन्नालाल चौधरी साहित्य अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक ने किया खाद वितरण केन्द्र का निरीक्षण

खाद वितरण की व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. रवीन्द्र वर्मा द्वारा खाद वितरण केन्द्र हड़बड़ो का आकस्मिक निरीक्षण कर खाद वितरण की व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उन्होने किसान भाइयों से चर्चा कर खाद वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में खाद का पर्याप्त भण्डारण है तथा निरंतर आपूर्ति भी जारी है। किसान भाई आवश्यकतानुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि खाद वितरण के संबंध में प्राप्त हो रही शिकायतों के दृष्टिगत सभी एसडीएम के नेतृत्व में जांच दलों का गठन किया गया है। जो खाद वितरण केन्द्रों की कड़ी निगरानी रखना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने समस्त खाद वितरण केन्द्र प्रभारियों को निर्देशित किया है कि खाद वितरण का कार्य व्यवस्थित ढंग से संपादित करें।

किसानों को सभी जानकारियां समय से उपलब्ध कराये तथा खाद का वितरण सहज ढंग से सुनिश्चित करायें। यह ध्यान रखें कि किसान भाइयों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। खाद वितरण में अनियमितता या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

सहकारी समितियों के माध्यम से खाद/नगद ऋण की सुविधा उपलब्ध है

किसान म.प्र. शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना का लाभ लेवें

सीधी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन में सहकारिता विभाग के माध्यम से यह व्यवस्था है कि सहकारी समितियों से जो किसान फसल उत्पादन हेतु ऋण लेगे उन्हे देय दिनांक तक ऋण पर ब्याज नहीं देना होगा अर्थात शून्य प्रतिशत पर फसल ऋण प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे किसान जो समितियों के सदस्य नहीं है और सदस्य रहते कालातीत बकायादर होने के कारण खाद/नगद ऋण लेने हेतु अपात्र हो गये हैं और शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण योजना से वंचित हो रहे है, उनसे अपील है कि वह अपना कालातीत कर्ज अविलम्ब सम्बंधित समिति/शाखा में जमा कराये और नया ऋण/केसीसी प्राप्त कर शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण की सुविधा का लाभ ले सकते है।

उक्त लाभ से वंचित किसान सम्बंधित समिति व सहकारी बैंक शाखा से आवश्यक दस्तावेजी सहयोग देते हुए प्रक्रिया अनुरूप केसीसी प्राप्त करें। जिले में जानकारी के अभाव में किसानों की भीड़ निजी एवं नगद वितरण केन्द्रों पर बढ़ना प्रतीत हो रही है, जिससे समस्याएँ बढ़ रही है। इसके समाधान के लिये किसानों को सहकारी समितियों के खाद ऋण रूप में प्राप्त करना आसान/लाभकारी होगा। निजी खाद व्यवसायियों से अपील है कि उनके केन्द्र पर आने वाले किसानों को उक्त सम्बंध में अर्थात शून्य प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध फसल ऋण की सुविधा का लाभ लेने हेतु नजदीकी समिति/बैंक शाखा मे सम्पर्क करने हेतु सूचित करते हुए सहयोग प्रदान करें। अधिक जानकारी हेतु इच्छुक किसान/व्यक्ति नजदीकी सहकारी समिति/बैंक शाखा/बैंक प्रधान कार्यालय सीधी (खाद प्रभारी 8109788756) से सम्पर्क कर अपनी समस्या का समाधान कर सकते है।

राज्य परियोजना प्रबंधक ने किया लखपति दीदियों से संवाद

सीधी। राज्य परियोजना प्रबंधक-कौशल श्री धीरेन्द्र सिंह द्वारा सोमवार दिनांक 25-11-2024 को जिले के भ्रमण के दौरान रामपुर नैकिन विकासखंड की संभावित लखपति दीदियों से संवाद किया गया। कार्यक्रम में श्री सिंह द्वारा दीदियों के अनुभवों को सुनने के साथ अनेक आयामों पर विस्तृत चर्चा कर सभी को आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति हेतु मिशन के माध्यम से समन्वित प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक सीधी श्री पुष्पेंद्र कुमार सिंह एवं विकासखंड टीम उपस्थित रही।

चौतरफा बिछेगा फोरलेन सड़कों का जाल : सांसद

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से विगत दिनों मिलकर प्रयागराज से सीधी, सीधी से व्यौहारी, सीधी से टिकरी- निवास, सीधी से सिंगरौली, मोहनिया टनल से सीधी की सड़कों को 4 लेन करने की मांग की थी।भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने पत्र लिखकर सांसद डॉ राजेश मिश्रा को बताया है कि उक्त सभी मांगों पर प्राथमिकता से विचार करते हुए सर्वे कार्य के लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सर्वे रिपोर्ट आने के पश्चात सभी सड़कों को फोर लेन करने का कार्य किया जाएगा। सीधी सिंगरौली सड़क फोर लेन का कार्य तीव्र गति से चालू है।

सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी के प्रति सीधी की जनता की ओर से आभार ज्ञापित करते हुए अभिनंदन किया है और आशा व्यक्ति की है कि अति शीघ्र सीधी जिले की चारों ओर की सीमाओं को फोरलेन की चकाचक सड़कों से जोड़ दिया जाएगा।

प्रदेश स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में एकलव्य स्कूल हड़बड़ो के छात्रों का चयन

सीधी। एकलव्य पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल, हड़बड़ो जिला सीधी के डायरेक्टर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि विगत दिनों रीवा में बाल रंग प्रतियोगिता का विभिन्न विधाओं के लिए संभाग स्तरीय आयोजन हुआ, जिसमें एकलव्य पब्लिक स्कूल हड़बड़ो की छात्राओं कोमल मिश्रा, कंचन विश्वकर्मा, संध्या सिंह, आशी मिश्रा एवं रैना सिंह का चयन सामूहिक लोकगीत में अंश सिंह, किशन तिवारी का चयन प्रश्न मंच में एवं पूजा सिंह का चयन सुलेख में राज्य स्तर के लिए किया गया। अब यह बच्चे राजधानी भोपाल में अपने

कला का प्रदर्शन दिखाएंगे। एकलव्य पब्लिक स्कूल हड़बड़ो के छात्रों के इस सत्र में जिले से लेकर प्रदेश स्तर में अन्य विधाओं में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने के समाचार प्राप्त हो रहे हैं और यह विद्यालय बच्चों का सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के संचालक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, नीतू सिंह, संरक्षक शीलध्वज सिंह, प्रबंधक विनोद सिंह, श्यामलाल शर्मा, प्राचार्य स्वेता सिंह, राजेंद्र द्विवेदी, वरिष्ठ शिक्षक मनीता सिंह, प्रीति शुक्ला, मनोज खरे, संजय पाण्डेय, सचिन सिंह, विदित सिंह, ध्रुवदेव सिंह, अरविंद सिंह, संध्या शुक्ला, नमिता सिंह, सुनीता विश्वकर्मा, ज्योतिप्रभा द्विवेदी, करूणा मिश्रा, जयप्रकाश पाण्डेय, सोनू सिंह, शशिमा सिंह, माधव सिंह, रजनीश पांडे, अर्पिता सिंह, भूपेंद्र पाण्डेय,अनूप लखेरा, अंकिता सेन, संतोष यादव, सन्नी बैगा, आंचल सिंह, विपुल तिवारी, मनीष मौर्या, काजल केवट एवं समस्त विद्यालयीन परिवार एवं अभिभावकों द्वारा छात्र-छात्राओं को शुभकामनायें देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

मांगो को लेकर विद्युत पेंशनर्स का धरना जारी

सीधी। अपनी 15 सूत्री मांगों को लेकर विद्युत पेंशन हित रक्षक संघ सीधी धरना एवं क्रमिक अनशन के तीसरे दिन राजरूप विश्वकर्मा, अश्विनी प्रसाद विश्वकर्मा विद्युत पेंशनर क्रमिक अनशन पर बैठे रहे इनके साथ भीमसेन सिंह, रविंद्र नाथ गुप्ता, दफेदार सिंह, लक्ष्मण प्रजापति, श्रीमती प्रेमवती पांडे, सीताराम दुबे, प्रेमलाल गुप्ता, राम नरेश पटेल, छोटेलाल शर्मा, भैया लाल गुप्ता, रामसखा तिवारी, भगवान दिन वर्मा, रामस्वरूप पांडे, एच.एल. यादव, श्रीमती शिवराज काली शर्मा, राजबहोरन विश्वकर्मा एवं समय लाल सिंह परिहार के अतिरिक्त अन्य कई विद्युत पेंशनर अनशन में बैठे रहे। अधीक्षण अभियंता संचालन एवं संधारण सीधी अनशन स्थल पर आकर सभी अनशनकारियों से मिले एवं उन्होंने अनुरोध किया कि हमारे तरफ से सभी प्रकरण उच्च अधिकारियों की ओर भेजा जा चुका है। उन्हें स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया कि जब तक हमारी मांग उच्च अधिकारियों के माध्यम से पूरी नहीं होती है तब तक हम क्रमिक अनशन धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे।

झलकारी बाई महिलाओं की प्रेरणा स्रोत : राकेश

सीधी। अखिल भारतीय कोली/कोरी समाज जिला इकाई सीधी द्वारा वीरांगना झलकारी बाई की जयंती सीधी विधानसभा के बहेरहा में कोरी समाज सीधी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य के मुख्य अतिथि में मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाध्यक्ष राकेश द्वारा उद्बोधन में कहा गया कि झलकारी बाई एक महान वीरांगना थी जिनका जन्म 22 नवंबर 1830 को झांसी के भोजला गांव गांव में एक सामान्य परिवार कोरी कोली समाज में हुआ था। जन्म के बाद छोटी आयु में ही माता का देहांत

हो गया था। परंतु उनके पिता मूलचंद कोरी द्वारा एक लड़के की तरह पाला पोसा और घुड़सवारी तलवार बाजी आदि सिखाया। झलकारी बाई झांसी की रानी की दुर्गा वाहिनी सेना की सेनापति थी। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की क्रांति में अंग्रजो से लड़ती हुई झलकारी बाई 4 अप्रैल 1857 को वीरगति को प्राप्त हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सरपंच मनोज बैगा द्वारा कहा गया कि नारियों को झलकारी बाई जैसा निडर और साहसी होना चाहिये। इस कार्यक्रम का संचालन सुरेश कोरी द्वारा किया गया और आये हुए अतिथियों का आभार उमेश कोरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संतकुमार कोरी, ज्ञानेंद्र सिंह, राय सिंह, राजकुमार बैगा, रमेश कोरी, रामकरण प्रजापति, राममनोहर कोरी, छोटेलाल प्रजापति, बलिराम सिंह, विजय कोरी, दूदन कोरी, देवराज गुप्ता, उर्मिला सिंह, अरुण कोरी, कुशमकली सिंह, श्यामलाल कोरी, राजेश गुप्ता, राजेश बंशल, इंद्रभान कोरी, अमर बंशल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणेश स्कूल के ध्रुव ने जीता रजत पदक

सीधी। स्थानीय श्री गणेश सीनियर सेकेंडरी स्कूल पडऱा के कक्षा 7 के छात्र ध्रुव द्विवेदी ने विगत दिनों सिंगरौली में आयोजित 68वीं राज्य स्तरीय शालेय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के अंडर 14 में रजत पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में कुल 11 टीमें शामिल थीं और ध्रुव रीवा संभागीय टीम का हिस्सा थे। उक्त स्पर्धा में ध्रुव ने दमदार प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। ध्रुव की इस सफलता पर विद्यालय के निदेशक नीरज शर्मा और सहायक निदेशक अरुण ओझा ने उन्हें बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

डॉ अजय मिश्रा बने विश्वविद्यालय कार्य परिषद के सदस्य, लगा बधाइयो का तांता

सीधी

मध्य प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगू भाई पटेल ने वरिष्ठ समाजसेवी, चिकित्सक एवं ज्योत्सना जनकल्याण समिति के सचिव डॉ अजय मिश्रा को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा की कार्य परिषद का सदस्य नियुक्त किया है

ज्ञातव्य है कि गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से डॉक्टर अजय मिश्रा को आगामी 3 वर्षों के लिए विश्वविद्यालय कार्य परिषद का सदस्य लगातार दूसरी बार नियुक्त किया गया है। डॉ अजय मिश्रा प्रतिष्ठित समाजसेवी, व्यवसाई होने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, शिक्षाविद, गणवेश धारी छात्रों का विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन भारत स्काउट एवं गाइड के निर्वाचित राज्य उपाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पालक के नाते जाने जाते हैं।

डॉक्टर अजय मिश्रा को विश्वविद्यालय कार्य परिषद का सदस्य मनोनीत किए जाने पर उनके इष्ट मित्रों में हर्ष व्याप्त है। शुभकामनाएं देने वालों प्रमुख रूप से लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा, जोत्सना जन कल्याण ग्रुप की मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर श्वेता सिंह, डॉ संतोष कुमार द्विवेदी, प्रमोद तिवारी, अरविंद पाण्डेय, अजय पटेल, प्रदीप मिश्रा, आर पी तिवारी, समस्त विद्यालय परिवार एवं भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी और सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हैं।

सत्र न्यायालय एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने प्रधान आरक्षक एवं अन्य दोषीगण के विरूद्ध एफ.आई. आर. कराने भेजा ज्ञापन

सीधी। सत्र न्यायालय एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण श्री संजीव कुमार पाण्डेय के न्यायालय में लंबित क्लेम प्रकरण क्रं. 269/2023 एवं 270/2023 में यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि घटना मृतक विनोद कुमार यादव के द्वारा मोटरसाईकल को उपेक्षा एवं उतावलेपन से चलाने एवं मोटरसाइकल के स्पीड ब्रेकर में टकराने के फलस्वरूप घटित हुयी थी। जिसमें अंजनी कुमार यादव एवं विनोद कुमार यादव की मृत्यु हो गई थी तथा राजकुमार यादव घायल हो गया था। किंतु थाना जमोड़ी में पदस्थ प्रधान आरक्षक मोतीलाल सिंह ने दुर्घटना में मृत अंजनी कुमार यादव के सगे भाई राजकुमार यादव एवं उनके परिवार के ही सदस्य वाहन चालक चित्रसेन यादव, वाहन स्वामी चन्द्रभान यादव के साथ षडयंत्र करके वास्तविक दुर्घटना के तथ्य को छिपाते हुए फर्जी क्लेम राशि दिलाने के दुराशय से अनावेदक चन्द्रभान यादव के स्वामित्व के वाहन को दुर्घटना में फर्जी रूप से आलिप्त कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। प्रधान आरक्षक मोतीलाल सिंह ने मृतकगण के परिवार के साथ षड्यंत्र करके मृतक के आश्रितगण को क्लेम राशि दिलाने के दुराशय से प्रकरण की झूठी विवेचना करते हुए अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। इस हेतु सत्र न्यायाधीश एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण सीधी ने प्रधान आरक्षक मोतीलाल सिंह के विरूद्ध नियमानुसार विभागीय जांच करने एवं अन्य दोषीगण के विरूद्ध एफ.आई.आर. कराने हेतु पुलिस अधीक्षक जिला सीधी को पत्र प्रेषित किया है और इसकी प्रतिलिपि अग्रिम कार्यवाही हेतु पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन को प्रेषित की गई है।

पुलिस की नाकामी से बढ़ रही चोरी की वारदातें

सीधी। जिले के जमोड़ी थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास में चोरी की सर्वाधिक शिकायतें मिल रही हैं। जहां कि अधिकतर लोग ट्रकों में वाहन खड़े होने के बाद डीजल एवं बैटरी की चोरी करते देखे जा रहे हैं। चूंकि वाहन चालक बाहर के रहते हैं जिस वजह से शिकायत भी नहीं करते। लेकिन पुलिस की सर्चिंग न होने से यह मामला सर्वाधिक सामने आ रहा है। बताया गया कि यदि जमोड़ी पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग की जाती तो इस तरह की शिकायतें न मिलती। लेकिन पुलिस की नाकामी की वजह से ट्रकों के खड़े होने के बाद डीजल की चोरी एवं बैटरी चोरी की सर्वाधिक वारदातें बढ़ रही हैं। ढ़ाबों में या अन्य जगह जहां ट्रक खड़े होते हैं उनमें डीजल निकालने की सर्वाधिक शिकायतें हैं। रिपोर्ट के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होती। अधिकतर ट्रक चालक बाहर के रहते हैं।

भनवारी पंचायत में भ्रष्टाचार की जन सुनवाई में शिकायत

निर्माण कार्यों सहित फर्जी बिल की हुई शिकायतें

सीधी। जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत ग्राम पंचायत भनवारी में निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार सहित फर्जी बिल एवं अन्य मामलों को लेकर जन सुनवाई में शिकायत की गई है। मंगलवार को शिकायत करने के दौरान आए आवेदकों ने बताया कि यहां सरपंच एवं सचिव सहित रोजगार सहायक नियमों की धता बताते हुए मनमानी रूप से काम कर रहे हैं।

शिकायती आवेदन में बताया गया कि विनोद कुमार द्विवेदी पिता कपिलमुनि मटपुरिया के आराजी नंबर 146 में पूर्व सरपंच द्वारा 2018-19 में डबरी का निर्माण कराया गया। जिसका वर्क कोड 1715003057/आईएफ/999372 1076 है। जिसकी स्वीकृत राशि 48 हजार बतौर मूल्यांकन के रूप में 43956 रुपए राशि जारी की गई थी। लेकिन वर्तमान सरपंच द्वारा

वर्ष 2023-24 में उसी आराजी नंबर पर खेत-तालाब स्वीकृत कराकर 333643 रुपए की राशि आहरित कर ली गई है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाईन में भी की जा चुकी है। इसके अलावा ग्राम पंचायत में कई ऐसे निर्माण कार्य हो रहे हैं जिसका कोई लेखा-जोखा नहीं है। मनमानी रूप से सरपंच एवं रोजगार सहायक द्वारा कार्य कराया जा रहा है। शिकायत में यह भी आवेदन दिया गया है कि सुखेन्द्र द्विवेदी पिता रमाकांत द्विवेदी के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना में भी पंचायत द्वारा राशि गलत ढंग से ट्रांस्फर कराकर सुखेन्द्र द्विवेदी पिता गयादीन द्विवेदी के नाम से करा दिया गया। जिसकी भी शिकायत की जा चुकी है। तमाम फर्जी बिलों की भी शिकायतें हो रही हैं। जन सुनवाई में आवेदन देने वालों में प्रमुख रूप से प्रद्युमन कुमार लल्लू, विनोद कुमार द्विवेदी, संजय द्विवेदी, मनोज कुमार द्विवेदी, विनय द्विवेदी, आदर्श द्विवेदी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

इस मामले में जानकारी मिली है कि दुकानों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर मनमानी ढंग से भनवारी पंचायत में भुगतान सरपंच-सचिव एवं रोजगार सहायक द्वारा करा दिया गया है। जांच की जाए तो लाखों का घोटाला सामने आ सकता है। लेकिन अभी तक जांच प्रक्रिया न होने की वजह से इनके हौंसले बुलंद हैं। जांच के बाद ही सच्चाई का पर्दाफास सामने आएगा।

इस मामले में सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने कहा कि अभी तक मेरे पास कोई शिकायतें नहीं आई हैं। यदि ऐसी बात है तो कोई गुरु महराज नहीं हैं कि मैं उनकी मदद करूंगा। जो दोषी हैं उनके खिलाफ शिकायत के बाद कार्यवाही की जाएगी। अन्याय किसी के साथ बर्दाश्त नहीं होगी।

जिला पंचायत सीईओ अंशुमान राज ने बताया कि मैं तीन-चार दिनों से बाहर था। जिस वजह से इस मामले में जानकारी नहीं मिली है। यदि जन सुनवाई में शिकायतें आई हैं तो लौटने के बाद पूरे तथ्य की जानकारी लेकर पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। इसमें जो भी दोषी होंगे उन पर निश्चित रूप से कार्यवाही होगी।

संपादकीय

हम कब होंगे शर्मिंदा

विद्यालयों को शिक्षा का मंदिर माना जाता है। वहां शिक्षकों पर विद्यार्थियों का भविष्य संवारने का दायित्व है। दुखद है कि अभिभावक जिन विद्यालयों में बच्चों को पढ़ने और भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए भेजते हैं, वहां कई बार खुद शिक्षक ही उन्हें अनुचित तरीके से काम कराते हैं। ऐसी हरकतों से शिक्षा व्यवस्था पर तो सवालिया निशान लगता ही है, साथ ही विद्यालयों में छोटे बच्चों के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठते हैं। सहारनपुर में एक प्राथमिक विद्यालय का वीडियो सुर्खियों में आया, जिसमें कुछ बच्चे स्कूल परिसर में और शिक्षकों की मौजूदगी में खड़ी कार धोते दिखाई दे रहे थे। इस घटना पर कोई कैसी भी सफाई दे, लेकिन इससे स्पष्ट है कि कई विद्यालयों में जमीनी स्थिति क्या है। हालांकि इस मामले में खंड शिक्षा अधिकारी को जांच सौंपी गई है, लेकिन सवाल है कि स्कूलों में बच्चों का इस तरह शोषण करने की बात किसी शिक्षक के दिमाग में आई भी कैसे ! विद्यालयों में शिक्षा और खेल गतिविधियों को छोड़ कर बच्चों से कोई भी अन्य कार्य न कराने के स्पष्ट निर्देश हैं, लेकिन कुछ शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर बाल श्रम कानून का तो उल्लंघन करते ही हैं, शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देश की भी धज्जियां उड़ाते हैं। यह इस तरह की कोई अकेली घटना नहीं है। आए दिन किसी स्कूल के छोटे बच्चों से अनुचित तरीके से साफ-सफाई या अन्य काम कराने की खबरें आती रहती हैं। क्या यह समूचे शिक्षा तंत्र के लिए शर्मिंदगी की बात नहीं कि किसी बच्चे को कक्षा की साफ-सफाई के लिए झाडू थमा दिया जाता है या फिर परिसर में किसी निर्माण कार्य के लिए मिट्टी ढोने या ईंटे उठाने में लगा दिया जाता है सहारनपुर की घटना इसलिए सामने आई, क्योंकि किसी ने उसका वीडियो बना लिया। कुछ दिनों पहले उत्तर प्रदेश के ही बांदा जिले में एक निजी विद्यालय के शिक्षक पर आरोप लगा कि वे घर के निर्माण कार्य में स्कूल के बच्चों की मदद ले रहे थे। ऐसे तमाम मामलों की जांच होती है, उसकी रपट भी आती है। मगर क्या कार्रवाई होती है, किसी को पता नहीं चलता। विद्यालयों से आने वाली ऐसी बदरंग तस्वीरें समाज को व्यथित करती हैं। ऐसी घटनाओं से शिक्षा व्यवस्था पर भी अंगुली उठना स्वाभाविक है।

सत्ता के लोभ में बालासाहब ठाकरे का हिंदुत्व छोड़कर कांग्रेस व शरद पवार की राकांपा के साथ जाने वाले शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और बरसों से महाराष्ट्र की राजनीति धुरी रहे शरद पवार के नेतृत्व की चमक को इस हार ने बहुत फीका कर दिया है। समग्रता में महाराष्ट्र के चुनाव को समझें तो शरद पवार की चाणक्य नीति को इस चुनाव में केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने न केवल जबर्दस्त पटखनी दी है बल्कि विपरीत विचारधारा के उद्धव को राज्य का मुख्यमंत्री बनाकर जो घोड़ापछाड़ दांव पवार ने भाजपा के खिलाफ चला था, शाह ने उसका ब्याज समेत बदला ले लिया है। नतीजा यह रहा कि जिस राकांपा को मतदान के दिन तक मआवि का सबसे दमदार घटक माना जा रहा था, वह आघाड़ी की सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई।

चुनाव विश्लेषण: बहनो को सरकारी नेग अब चुनाव जीतने का शर्तिया फार्मूला !

(अजय बोकिल)

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपानीत महाआघाड़ी की प्रचंड जीत और विपक्षी कांग्रेसनीत महाविकास आघाड़ी की दारूण पराजय एवं झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई में यूपीए की सत्ता में शानदार वापसी के मूल में कॉमन फैक्टर इन राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारों द्वारा महिलाओं को सीधा आर्थिक लाभ देना है। महाराष्ट्र में यह कमाल युति सरकार की 'लाडकी बहिण' योजना ने तो झारखंड में झामुमो गठबंधन सरकार की 'मइया सम्मान योजना' ने किया। उस पर योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे ने महाराष्ट्र में बहुसंख्यक वोटरों को महायुति और एनडीए के पक्ष में एकजुट होने को इस कदर प्रेरित किया कि महायुति के घटक अजित पवार की राकांपा द्वारा खड़े किए कुछ मुस्लिम उम्मीदवार भी इस लहर में तर गए। इसी नारे की बिना पर योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटो के उपचुनाव में 7 पर भगवा फहरा गए। इस चुनाव ने अब महाराष्ट्र में असली व नकली शिवसेना तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस की बहस को बेमानी करार दे दिया है, भले ही इसको लेकर कानूनी लड़ाई चलती रहेगी। महाराष्ट्र में पहली बार मतदाता ने ठाकरे परिवार के नेतृत्व चाहे उद्धव हो या राज ठाकरे, को लगभग नकार दिया है। सत्ता के लोभ में बालासाहब ठाकरे का हिंदुत्व छोड़कर कांग्रेस व शरद पवार की राकांपा के साथ जाने वाले शिवसेना (उद्धव गुट) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और बरसों से महाराष्ट्र की राजनीति धुरी रहे शरद पवार के नेतृत्व की चमक को इस हार ने बहुत फीका कर दिया है। समग्रता में महाराष्ट्र के चुनाव को समझें तो शरद पवार की चाणक्य नीति को इस चुनाव में केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने न केवल जबर्दस्त पटखनी दी है बल्कि विपरीत विचारधारा के उद्धव को राज्य का मुख्यमंत्री बनाकर जो घोड़ापछाड़ दांव पवार ने भाजपा के खिलाफ चला था, शाह ने उसका ब्याज समेत बदला ले लिया है। नतीजा यह रहा कि जिस राकांपा को मतदान के दिन तक मआवि का सबसे दमदार घटक माना जा रहा था, वह आघाड़ी की सबसे कमजोर कड़ी साबित हुई। अमित शाह ने संघ की आलोचना के बाद भी अजित पवार को साथ रखा। लोकसभा चुनाव में चाचा शरद से मात खाने के बाद भतीजे अजित पवार ने इस बार जमकर ताकत झोंकी और चाचा को साफ संदेश दे दिया कि अब उन्हें राजनीति से संन्यास ले लेना चाहिए। अगर महाराष्ट्र में इस चुनाव में भाजपा को अब तक की सर्वाधिक सीटें मिली हैं तो इसका श्रेय उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की मेहनत, पार्टी अनुशासन का पालन और धैर्य को भी जाता

है। यूं तो महाराष्ट्र और झारखंड दोनो राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों पर पूरे देश की नजर थी। लेकिन महाराष्ट्र के नतीजे देश की भावी राजनीति तय करेंगे। लोकसभा चुनाव के बाद देश में मोदी मैजिक फीका पड़ने और हिंदुत्व की धार भोंथरी होने की बात कही जा रही थी, वह जादू अब नए जलवे के साथ लौट रहा है। यह हमने हरियाणा के विस चुनाव में देखा और अब महाराष्ट्र व यूपी में देख रहे हैं। हालांकि झारखंड में यह जादू नहीं चला तो इसकी वजह बीजेपी की गलत रणनीति और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से आदिवासियों में उनके प्रति उपजी सहानुभूति ज्यादा थी। लेकिन महाराष्ट्र में पार्टी की प्रचंड जीत ने झारखंड की हार के गम को काफी हद तक धो दिया है।

यह बात अब कांच की तरह साफ है कि महिलाओं को आर्थिक मदद देकर मतदाता के रूप में उनका समर्थन जीतने का जो लाजवाब गेमचेंजर नुस्खा मप्र में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने ईजाद किया था, वह न सिर्फ भाजपा बल्कि हर सत्तारूढ़ पार्टी के लिए जीत का शर्तिया नुस्खा साबित हो रहा है। यही कारण है कि महिलाएं बड़ी संख्या में वोट कर रही हैं और उस सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में वोट कर रही हैं, जो हर माह उनके खाते में निश्चित राशि सीधे जमा कर रही है। सभी मुख्यमंत्री इस आर्थिक मदद को राज्य की बहनों को 'भाई का नेग' करार दे रहे हैं। बदले में बहनाएं उन पर वोट न्यौछावर कर रही हैं। हरियाणा में हमने यह सैनी सरकार की 'लाडो बहना योजना' के रूप में तो महाराष्ट्र में %लाडकी बहिण% और झारखंड में 'मइया सम्मान योजना' के रूप में देखा। अब बाकी राज्यो में भी सरकारें अपनी सत्ताएं बचाने इसी राह बढ़ेंगी। संक्षेप में कहें तो अब महिलाएं ही सत्ता की रक्षक के रूप में उभर रही हैं। आश्चर्य नहीं कि केन्द्र में मोदी सरकार भी अगले आम चुनाव के पहले बहनों के लिए ऐसी ही कोई योजना लेकर आ जाए। इसमें खास बात यह है कि महिलाओं को लाभार्थी बनाने के वादे विपक्षी पार्टियां भी अपने घोषणा पत्रों में उसी शिद्दत के साथ कर रही हैं, लेकिन बहनो को वादों से ज्यादा शायद देवाल भाई पर भरोसा है।

महाराष्ट्र चुनाव नतीजों में योगी आदित्यनाथ के चर्चित नारे 'बंटेंगे तो कटेंगे' का भी गहरा असर दिखा है। अधिकांश सीटों पर हिंदू वोट महायुति के पक्ष में एकजुट हुए हैं। यह एकजुटता भी प्रति-एकजुटता के रूप में ज्यादा है। क्योंकि 'बंटेंगे तो कटेंगे' में यह कहीं भी नहीं कहा गया कि एकजुटता का यह आह्वान निश्चित रूप से किसके खिलाफ है। लेकिन मुसलमानों ने इसे अपने खिलाफ माना और वे मोदी, योगी व भाजपा के विरूद्ध एकजुट हुए। हिंदू समाज में इसका प्रति ध्रुवीकरण स्वयमेव भाजपा व महायुति के पक्ष में हुआ। इस पूरे ध्रुवीकरण में कांग्रेस असहाय सी दिखी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी हाथ में संविधान की प्रति लहराते संविधान बचाने की गुहार लगाते दिखे। लेकिन 'संविधान बचाने' का मुद्दा उस 'काठ की हांडी' की तरह साबित हुआ, जो दूसरी बार विस चुनाव के चूल्हे पर नहीं चढ़ सकी। योगी के बाद पीएम मोदी ने 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा दिया, उसका भी असर हुआ। मतदाताओ ने अपनी रोजमर्रा की तकलीफों, किसानों ने उपज का कम भाव मिलने की नाराजी, युवाओं ने बेरोजगारी जैसे जमीनी मुद्दों को दरकिनार कर महायुति को वोट किया।

महाराष्ट्र का यह पहला विस चुनाव है, जिसमें कोई भी पार्टी सदन में अधिकृत विपक्ष का दर्जा नहीं पा सकेगी। लोकसभा में अच्छा प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस रणनीतिक असमंजस और कमजोर संगठन के कारण अपने न्यूनतम आंकड़े पर जा पहुंची है। इन नतीजों के बाद शरद पवार, उद्धव ठाकरे के साथ साथ कांग्रेस को भी अपने वजूद को टिकाए रखने की लड़ाई नए सिरे से लड़नी पड़ेगी। उधर यूपी में भी बाबा योगी आदित्यनाथ ने 9 में से 7 विधानसभा सीटें जीतकर 2027 के विस चुनाव का सत्ताधीश कौन होगा, इसकी इबारत लिख दी है।

महिला मतदाताओं की मुखरता से बदल रही चुनावी नतीजों की तस्वीर

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाड़ी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मानकर ही चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान को सही दिशा व समझ नहीं बैठा पाएं और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रेकार्ड तोड़ दिए। माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही। मध्यप्रदेश से निकली लाड़ली बहना महाराष्ट्र तक आते आते माझी लाड़की बहना योजना ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा इसी साल लागू करने और चुनाव से पहले ही तीन किश्तें लक्षित महिलाओं के खातों में जाने से पूरा माहौल ही बदल गया। योजना शुरु करने पर विपक्ष ने विरोध किया और यहां तक कि कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाई गई पर कोर्ट द्वारा योजना को सही ठहराने और सीधे खाते में पैसे आने से महिलाओं में सरकार के प्रति विश्वास जगा वहीं महाअघाड़ी गठबंधन महिलाओं से जुड़ी इस योजना को समझने में ही देरी कर दी और भले ही बाद में चुनाव घोषणा पत्र या यों कहे कि चुनावी वादों में अधिक पैसा देने का वादा भी किया पर महिलाओं का विष्वास नहीं जीत पाएं। परिणाम सामने हैं जो मिल रहा है वह बढ़कर मिलेगा इस पर महिलाओं ने अधिक विश्वास जताया। सही मायने में देखा जाए तो महिला शक्ति गेम चेंजर बन कर सामने आई। कहा

तो यहां तक जाने लगा है कि महिलाएं जिनके साथ है सत्ता भी उनके हाथ ही लगेगी।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मजे की बात यह भी है कि चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने लगे हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीद्वारी जताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आमचुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थी वहीं गत 2024 के आमचुनाव में 74 महिला सांसद चुन कर आई। हांलाकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते है। इस बार महाराष्ट्र चुनावों में 50 महिलाओं को टिकट दिए गए और 21 महिलाएं चुनाव जीत कर विधायक बनी है।

सबसे अच्छी बात यह है कि गॉव हो या शहर महिलाएं अब घर की चार दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी है आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीद्वारी भी जताती है तो चुनाव केंपेन के दौरान अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराती है। दूसरी और मतदान में भी आगे आकर हिस्सा लेने लगी है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहे कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुटे हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास किए जाते हैं। क्योंकि एक बात साफ हो चुकी है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसकों दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम चुनावों के परिणाम तो इसी और इंगित कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि माझी लड़की बहना योजना में 2.50 लाख आय वाली 18 से 60 साल की महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया। इससे यह साफ हो जाता है कि यह वर्ग कमजोर आर्थिक आय वाली महिलाओं का है। यहां साफ हो जाता है कि महिलाओं का यह वर्ग वो वर्ग है जिसके बारें में यह माना जाता है कि इस वर्ग में महिलाएं पुरुषों के निर्णयों पर अधिक निर्भर होती है पर महाराष्ट्र और अन्य प्रदेशों के चुनावी नतीजों से यह साफ हो गया है कि महिलाएं पुरुषों की हां में हां ना मिलाकर स्वयं निर्णय लेने लगी है और उसीसे ताजा नतीजें रुबरु कराते हैं।

वर्ग पहेली 5565

1	2		3	4			
5		6		7	8	9	10
11				12			
	13						
14					15		16
17			18				
		19			20	21	
22					23		

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2 जुलाई 2012 को इस देश ने इटली को 4-0 से हराकर यूरो कप फुटबाल 2012 जीत लिया और लगातार तीन बड़े खिताब जीतने वाला पहला देश बना (3)
3. एक सूर्यवंशी राजा का नाम जो दशरथ के पिता थे (2)
5. शमन करने वाला (3)
7. तरंगित होना, कंप युक्ति गति होना (4)
11. ऐसा रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सुन्न या बेकार हो जाता है (3)
12. फौजी भाइयों के लिए विविध भारती से प्रसारित एक दैनिक कार्यक्रम (4)
13. अस्तबल, घुड़साल (4)
14. लोहा, इस्पात (3)
15. मामला, कोइ गूढ़ बात (3)
17. पंच तत्वों में से एक, आब, नीर (2)
18. सुख, चैन, आराम, शांति (3)
19. साज, बजाने का यंत्र (2)
20. हस्त, कर, दस्ता, मूठ (2)
22. संतान उत्पन्न करना, जन्म देने का भाव (4)
23. लुप्त हो जाना, रहने की जगह, वास स्थान (3)

ऊपर से नीचे(2)

1. विशेष व्यक्ति अथवा अवसर के लिए निश्चित, खास (3)
2. उपकार मानने वाला, कृतज्ञ (6)
4. भूकंप, भूडोल, पृथ्वी का कांपना (4)
6. परेड, ड्रिल, नियमावली, कार्य विधि (4)
8. घोड़ा, अश्व (2)
9. वे भाई जो श्रीराम से छोटे हों (4)
10. गंदे पानी बहने के लिए बनाया गया कृत्रिम जल मार्ग (2)
14. सेना को यह भी कहा जाता है (2)
15. स्वत्व हानि, मान-अपमान (4)
16. संख्या, समूह, पुंज (2)
18. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर-जोर से पुकारे जाते है (3)
19. वेष, सजधज (3)
21. सूखी धरती (2)

वर्ग पहेली 5564 का हल

घा	ना		अ	म	र	ना	थ
त	त		मा	ल	वा		प
ता		भा	व	ना		व	क
क	ला		स्या		सा	र	ना
ना	न	क		र	म	क	
	त	ह	ल	का		न्या	य
आ		र		बी	ना		हू
प	त	वा	र		का	लि	दी

विपक्ष का कमजोर होना क्या ठीक है लोकतंत्र के लिए

(राजेश बादल)

यह सच है कि किसी भी लोकतंत्र में बहुमत पाने वाली पार्टी सत्ता पर काबिज होती है। लेकिन, यदि विजय एकतरफा हो तो वह जम्हूरियत के नजरिए से घातक भी होती है। अधिनायकवादी बीजों के अंकुरित होने का खतरा बना रहता है। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए निर्वाचन का परिणाम कुछ ऐसा ही सन्देश देता है। कोई सरकार कितना ही अच्छा काम करे (जो कि उसका कर्तव्य है) मतदाताओं को उसे नियंत्रित करना ही होगा। किसी भी प्रजा तांत्रिक मुल्क में पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच स्वाभाविक संतुलन होना चाहिए। यदि सदन में पक्ष का आकार विराट और ट्रैक्टर के पहिए जैसा हो और प्रतिपक्ष का आकार दुर्बल और साइकल के पहिए की तरह हो तो लोकतंत्र की गाड़ी रफ्तार नहीं पकड़ सकती। यह ठीक वैसा ही होगा कि एक मरियल और निर्बल इंसान रिंग में उतरकर किसी पहलवान को चुनौती दे। ऐसे में सत्ताधारी पार्टी के खुद को तानाशाह समझने का खतरा विकराल हो जाता है।

इसी बरस कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन ने जब लोकसभा चुनाव में 234 सीटें जीती और दस साल से सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। इससे पहले 2019 के निर्वाचन में सत्तारूढ़ पार्टी अपने दम पर बहुमत लेकर आई थी तो उसका व्यवहार विपक्ष के साथ उपेक्षा भरा था। प्रतिपक्ष इतना दीन-हीन और बौना था कि सरकार के पूरे कार्यकाल में दर्प और घमंड वाली शैली पनपी थी। संसद में प्रतिपक्ष को भरोसे में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर चर्चा नहीं हुई और हिन्दुस्तान के सामने मुंह बाए खड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया। चाहे वह मंहगाई हो या बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार हो या लोकतांत्रिक संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण,सभी में प्रतिपक्ष का स्वर बेहद मद्धम था। यहां तक कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में ही बयान दे दिया कि पार्टी को उस संगठन की जरूरत नहीं है। यह सत्तारूढ़ दल का अहं भाव ही था।

2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम

भारत के मतदाता ने इसे ताड़ लिया था। इसी वजह से 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम लोकतंत्र को संतुलित करते हुए आए थे। अब केंद्र सरकार बैसाखियों के सहारे है और प्रतिपक्ष मजबूत स्थिति में है तो भारतीय प्रजातंत्र संतोष कर सकता है। लेकिन महाराष्ट्र के हालिया परिणाम एक बार फिर यही अंदेशा उत्पन्न करते हैं। प्रतिपक्ष का क़द विधानसभा में अत्यंत नाटा है और वह सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की स्थिति में नहीं रहा है।

विडंबना यह कि बीजेपी के सहयोगी दल भी उसकी विराट जीत से आशंकित दिखाई देते हैं।सवाल यह भी खड़ा होता है कि 132 विधायक चुनकर विधानसभा में भेजने वाली पार्टी अपना मुख्यमंत्री क्यों न बनाए क्या वह शिंदे को एक बार फिर स्वीकार करे जबकि शिंदे के पास बीजेपी के दावे को चुनौती देने वाला आंकड़ा नहीं है, हालांकि बिहार की तर्ज पर बीजेपी ऐसा कर सकती है ,पर यह भी हक़ीक़त है कि शिंदे ,नीतीश कुमार नहीं हैं।

वैसे भी नीतीश कुमार अपनी कीकड़ बदन वाली पार्टी के साथ मुख्यमंत्री बने हुए हैं और बड़े आकार वाली बीजेपी वहां अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी तो यह मान्य लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। यदि शिंदे को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो फिर वे बीजेपी से उपकृत भाव के साथ काम करेंगे और महाराष्ट्र के लिए यह बेहतर स्थिति नहीं होगी।

आज का राशिफल

मेष

आज बहुत सावधानी से रहने की सलाह है। ऑफिस में किसी बड़े अधिकारी से अनबन हो सकती है और आपको नुकसान हो सकता है। दिन मिश्रित फल देने वाला है और आपको नुकसान हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें तो आपको लाभ होगा। नए संबंधों से आपका भाग्य बनेगा और आपको धन के मामले में लाभ होगा।

वृष

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपको अनावश्यक अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। सरकारी नौकर हैं तो वरिष्ठ अधिकारी से साथ आपका विवाद हो सकता है। शाम के समय आपके संबंधों में लाभ होगा और आपको कहीं परिवार के लोगों के साथ यात्रा पर जाना पड़ सकता है। नई योजना की तरफ ध्यान दें।

मिथुन

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी तरक्की के योग हैं। दिन के पूर्वार्ध में छुटपुट लाभ होने की संभावना है। आपको नौकरी व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल हो जाएंगे। कोई भी व्यवसाय छोटा बड़ा नहीं होता, एक बार अनुभव हो जाए तो आपको तरक्की होगी।

कर्क

आज लाभ होगा। अपने आप में ही मस्त रहेंगे। किसी भी विरोधी की आलोचना की ओर ध्यान न देकर अपना काम करते रहें। आगे चलकर सफलता आपके कदम चूमेगी। आप अपने सामाजिक क्षेत्र में मेल-जोल बढ़ाने में कामयाब होंगे। लोग आपकी बात को मानेंगे।

सिंह

आज लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपका भाग्य साथ देगा और कारोबार में आपकी किस्मत चमकेगी। किसी मामले में फालतू चर्चा करने से बचें और हर प्रकार के विवाद से बचें। अनावश्यक चिंताओं से बचें और अपने काम पर फोकस करें।

कन्या

आज लाभ होगा और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। पारिवारिक मंगल कार्य की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। घर गृहस्थ की मामले सुलझ जाएंगे। राजकीय मदद भी मिलेगी, सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं।

तुला

आज आपके पद और अधिकार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में वृद्धि होगी। समस्याओं के समायोचित समाधान न मिलने से मानसिक अशान्ति रहेगी। दूर-समीप का यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित हो सकता है। व्यवसायिक मामलों में लाभ होगा और कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी।

वृश्चिक

आज आपको परिवार के लोगों से हर प्रकार की मदद प्राप्त होगी और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। आपकी अधिकारी वर्ग के लोगों से लाभ होगा। अच्छी साठगांठ बनेगी। किसी सरकारी मामले में आपको सम्मान की प्राप्ति होगी। निराशाजनक विचारों से बचें।

धनु

आज करियर के मामले में लाभ होगा। किसी विशेष घटनाक्रम के मामले में लाभ और संपत्ति प्राप्त होगी। आज आपका विश्वास धर्म एवं अध्यात्म में बढ़ेगा। रोजमर्रा के काम में लापरवाही न बरतें। नए संपर्क के मामले में लाभ होगा और योजनाएं सफल होंगी। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में लाभ होगा।

मकर

आज सम्मान में वृद्धि होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में अपने से वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है। पराक्रम में वृद्धि होगी। शत्रुओं का मनोबल टूटेगा। दिन के उत्तरार्ध में अचानक अतिथियों के आगमन से व्यय भार बढ़ेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में सफलता प्राप्त होगा।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खुद को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए व्यायाम करें।

मीन

आज आप अपनी योजनाओं को अमल में लाने में सफल रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। धन लाभ के संकेत हैं। पारिवारिक जीवन में शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन दिनचर्या में सुधार लाने का प्रयास करें।

संक्षिप्त समाचार

न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण को लेकर हुई हिंसा व आगजनी के बाद सियासी बयानबाजी कम होने का नाम नहीं ले रही है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कटिंग के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान के साथ लिखा कि न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से संभल हिंसा के पीड़ित के बयान को पोस्ट किया और लिखा कि किसी को धमकाकर कोरे कागज़ पर अंगूठा लगवाना भी गुनाह है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय तत्काल संज्ञान ले और दोषी शासन-प्रशासन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करके, इस घटना के लिए जिम्मेदार सभी को सजा दे। न्याय का मान न्यायालय ही सुनिश्चित करेगा। इसके पहले सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत में संभल हिंसा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद में दोबारा सर्वे का काम क्यों किया? उन्होंने कहा कि मैं भी संभल जाऊंगा। संभल जाने से क्यों रोका जा रहा है। संभल का हाल जानना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संभल में न्याय नहीं मिल रहा है। हम संविधान का सम्मान करते हैं। हम संविधान का उत्सव कैसे मनाएं? उत्सव ढोंग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को नहीं मानती है। उधर, संभल में हिंसा के बाद अब हालात सामान्य हो रहे हैं। बाजार खुल गए हैं। स्कूल भी खुले। हिंसाग्रस्त इलाके में पुलिस बल तैनात है। कड़ी निगरानी की जा रही है। पुलिस अब भी संभल बवाल से जुड़े मामलों में सतर्कता बरत रही है। वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

सुक्खू सरकार का ऐलान- हिमाचल परिवहन निगम की बसों से दूध सब्जियों की ढुलाई का किराया माफ

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने किसानों और पशुपालकों के लिए बड़ी सौगात दी है। इसके तहत हिमाचल सड़क परिवहन निगम ने राज्य के किसानों के लिए अपनी बसों से दूध और सब्जियों की ढुलाई के लिए किराया माफ करने का फैसला किया है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अग्निहोत्री ने अधिकारियों को एचआरटीसी बसों से गुटखा और शराब के विज्ञापनों को हटाने के भी निर्देश दिए। शिमला में एचआरटीसी के निदेशक मंडल की 158वीं बैठक और बस स्टैंड प्रबंधन एवं विकास प्राधिकरण के निदेशक मंडल की 70वीं बैठक की अध्यक्षता करने के बाद उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने संवाददाताओं से कहा कि एचआरटीसी ने फैसला किया है कि यदि सामान के साथ कोई नहीं जा रहा है तो उसका किराया लिया जाएगा, लेकिन दूध और सब्जियों की ढुलाई को इससे छूट दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल सड़क परिवहन निगम की बसों से गुटखा और शराब के विज्ञापन हटाने का निर्देश देते हुए कहा- इसका ठेका हमारे सत्ता में आने से पहले दिया गया था, लेकिन अब हम ऐसी किसी भी चीज का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं जो जनहित में ना हो। डिप्टी सीएम ने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश में 148 बस रूट निजी कंपनियों को दिए गए हैं। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि हिमाचल सड़क परिवहन निगम बेड़े के लिए 327 नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। हिमाचल सड़क परिवहन निगम के लिए 100 मिनी बसें/टेंपो ट्रैवलर भी पेश किए जाएंगे। इस साल के अंत तक 1,000 वाहनों को बदल दिया जाएगा। जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के 177 पदों और कंप्यूटर ऑपरेटर के 12 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी। यह पेपर लीक के कारण 2022 से रुकी हुई थी।

कांग्रेस का बड़ा ऐलान- बैलेट पेपर से चुनाव के लिए देश भर में चलाएंगे अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बैलेट पेपर से चुनाव की मांग के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का ऐलान किया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि बैलेट पेपर से ही चुनाव हो और इसके लिए हम भारत जोड़ा यात्रा की तर्ज पर पूरे देश में अभियान चलाएंगे। खरगे ने कहा, %मैं एक बात कहूंगा कि पूरी शक्ति लगाकर ओबीसी, एससी, एसटी और कमजोर तबके के लोग जो वोट दे रहे हैं, वह फिजूल जा रहा है। हमारा कहना है कि सब छोड़ दो और बैलेट पेपर से वोट की हम मांग करते हैं। उन लोगों को मशीन अपने घर में रख लेने दो। अहमदाबाद में बहुत से गोदाम बने हैं, वे वहां ले जाकर मशीनों को रख दें। हमारी एक ही डिमांड है कि बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाए। यदि ऐसा हो जाए तो इन लोगों को पता चल जाएगा कि वे कहां खड़े हैं। पार्टी अध्यक्ष ने कहा, 'मेरा कहना है कि हमारी पार्टी को एक मुहिम शुरू करनी चाहिए और सभी पार्टियों को भी इसके लिए साथ लेना चाहिए। हम राहुल गांधी जी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा की तरह पूरे देश में अभियान चलाएंगे।' इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने जातीय जनगणना का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जातीय जनगणना से डरते हैं। लेकिन उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि समाज का हर तबका अपनी हिस्सेदारी चाहता है और उसे मांग रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में आप देश में एकता चाहते हैं तो फिर नफरत फैलाना बंद करना होगा। यही नहीं संविधान दिवस के मौके पर मल्लिकार्जुन खरगे ने यह मांग भी उठाई कि दो दिन संसद में इस पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को संविधान के बारे में जानकारी मिलेगी।

एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी हत्याकांड मामले में नया मोड़, दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में करीब 20 साल पहले हुई एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) नेता राम अवतार जग्गी की हत्या के मामले में दो दोषियों को राहत देते हुए मंगलवार को उनकी आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर दी। यह सनसनीखेज हत्याकांड साल 2003 में हुआ था, जब 4 जून को पूर्व कांग्रेसी नेता विद्या चरण शुक्ल की अध्यक्षता वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कोषाध्यक्ष जग्गी की रायपुर के मुख्य बाजार में गाड़ी चलाते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हुई थी। उस वक्त राकांपा रायपुर में एक विशाल रैली करने वाली थी, जिससे तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। राजनीतिक रूप से आरोप-प्रत्यारोप वाले इस मामले ने 2003 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य को हिलाकर रख दिया था। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की शीर्ष अदालत की पीठ ने मंगलवार को दोषियों में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी सहित विभिन्न वकीलों की दलीलें सुनीं। पीठ ने मामले में दोषी याह्या ढेबर की सजा के निलंबन और उसे जमानत देने के अनुरोध वाली याचिका को खारिज कर दिया। हालांकि, उसने दो दोषियों अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी की जमानत मंजूर कर ली और उनकी आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर दी। इससे पहले छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने 4 अप्रैल को जग्गी की हत्या के मामले में शामिल 28 दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इस दौरान डबल बेंच ने दो दोषियों को राहत दे दी। साथ ही कहा कि अन्य दोषियों की 14 याचिकाओं पर 9 दिसंबर से सुनवाई होगी। हत्या के मामले की जांच शुरू में राज्य पुलिस ने की थी। हालांकि, बाद में इसे सीबीआई को सौंप दिया गया था और जब राजनीति से प्रेरित होकर मामले को दबाने के आरोप सामने आए तो इसने नाटकीय मोड़ ले लिया। सीबीआई जांच में भाड़े के अपराधियों, पुलिस की मिलीभगत और असली दोषियों को बचाने के लिए दूसरे लोगों को फंसाने की कोशिशों से जुड़ी एक गहरी साजिश का पता चला। उच्च न्यायालय ने पुष्टि की कि हत्या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते की गई थी और माना कि आरोपियों ने राकांपा के बढ़ते प्रभाव को बाधित करने के लिए जग्गी को खत्म करने की साजिश रची थी। अभियोजन पक्ष ने दावा दिया कि हत्या तत्कालीन मुख्यमंत्री जोगी और उनके बेटे अमित जोगी के करीबी सहयोगियों द्वारा की गई थी। लेकिन अमित जोगी को अदालत ने बरी कर दिया था। हालांकि उच्च न्यायालय ने माना कि गवाही और सबूत आरोपियों के बीच मुख्यमंत्री आवास और स्थानीय होटलों सहित प्रमुख स्थानों पर हुई बैठकों की ओर इशारा करते हैं, जहां कथित तौर पर साजिश रची गई थी। इसने तीन पुलिस अधिकारियों- वीके पांडे, अमरीक सिंह गिल और राकेश चंद्र त्रिवेदी की संलिप्तता पर प्रकाश डाला और कहा कि उन्होंने सबूत छिपाने और झूठे संदिग्धों को फंसाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उच्च न्यायालय ने कहा कि हत्या को अंजाम देने के लिए पेशेवर अपराधियों को सुपारी दी गई थी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से उनकी संलिप्तता की पुष्टि हुई थी। अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता के तहत अपीलों को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य और घटनाओं की शृंखला निर्णायक रूप से अपीलकर्ताओं के अपराध की ओर इशारा करती है। उच्च न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत 28 आरोपियों को दोषी ठहराया था और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

चिमन सिंह और याह्या ढेबर सहित कई आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उच्च न्यायालय ने इस मामले में 28 लोगों को दोषी ठहराया था जिनमें पांडे, गोयल, सिद्दीकी, त्रिवेदी, ढेबर, अविनाश सिंह उर्फ लल्लन सिंह, सूर्यकांत तिवारी, अमरीक सिंह गिल, चिमन सिंह, हरीश चंद्र, नरसी शर्मा, सुनील गुप्ता, राजू भदौरिया, अनिल पचौरी, रवींद्र सिंह उर्फ रवि सिंह, लल्ला भदौरिया उर्फ धर्मेंद्र सिंह शामिल हैं। दोषी ठहराए गए अन्य लोगों में सत्येन्द्र सिंह, शिवेन्द्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौड़, संजय सिंह कुशवाह, राकेश कुमार शर्मा, अशोक सिंह भदौरिया, विवेक सिंह, जाम्बवंत, श्याम सुंदर, विनोद सिंह राजपूत और विश्वनाथ राजभर शामिल थे।

छात्राओं को हर माह मिलेंगे 500 रुपये, आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे

फरीदाबाद, एजेंसी। स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए गुड न्यूज है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा 500 रुपये महीना दी जाने वाली सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। छात्रवृत्ति के लिए योग्य छात्राएं 23 दिसंबर तक आवेदन कर सकती हैं। इस छात्रवृत्ति के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। सीबीएसई ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों को पत्र जारी कर अधिक संख्या में आवेदन के लिए निर्देश जारी किए हैं। इस छात्रवृत्ति के लिए केवल वही छात्राएं पात्र होंगी, जिन्होंने 10वीं क्लास में 60 प्रतिशत अंक हासिल किए थे और छात्रवृत्ति 11वीं एवं 12वीं कक्षाओं की छात्रों को दी जाएगी। इसके अलावा वर्ष 2023 में छात्रवृत्ति प्राप्त करने की वाली छात्राओं को रिन्युअल के लिए भी कहा गया है। वहीं ऐसी छात्राएं भी योजना का लाभ ले सकेंगी, जिनकी ट्यूशन फीस 1500 रुपये प्रति माह से अधिक नहीं है। इस छात्रवृत्ति के लिए केवल वह छात्राएं पात्र होंगी जो अपने माता-पिता की एक मात्र संतान होंगी। इसके तहत छात्राओं को 500 रुपये प्रति माह स्कॉलरशिप दी जाती है। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि आवेदन से पूर्व छात्राओं को अपने सभी दस्तावेज विद्यालय प्रबंधन से सत्यापित कराने होंगे। सत्यापन के बिना आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में एनआरआई छात्राएं भी पढ़ती हैं। वह भी इस छात्रवृत्ति की पात्र होंगी। उनकी ट्यूशन फीस प्रति माह छह हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्राएं अधिक जानकारी के लिए संबंधित वेबसाइट पर जा सकती हैं। इस लिंक में दिए गए स्कॉलरशिप भी विकल्प पर जाकर आवेदन कर सकती हैं।

महाराष्ट्र की नई सरकार के आगे बनते ही होगी चुनौती, मराठा आंदोलनकारी मनोज जारांगे पाटिल का बड़ा ऐलान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में फिलहाल सरकार गठन को लेकर रस्साकशी चल रही है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर दावेदारी का दौर जारी है। जल्दी ही नए मुख्यमंत्री को लेकर फैसला हो सकता है, लेकिन नई सरकार को सत्ता में आते ही एक चुनौती का सामना करना होगा। यह चुनौती है, मराठा आरक्षण की। चुनाव में मराठा आरक्षण आंदोलन का कोई खास असर नहीं दिखा और सत्ताधारी दलों को बड़ी जीत के साथ वापसी का मौका मिला है। इसके बाद भी मराठा आरक्षण की मांग करने वाले नेता मनोज जारांगे पाटिल ने नए सिरे से आंदोलन का फैसला लिया है। उनका कहना है कि वह अब सामूहिक भूख हड़ताल करेंगे। जालना के अपने गांव अंतरवाली में मनोज जारांगे पाटिल ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले में इस भूख हड़ताल का आयोजन होगा। मनोज पाटिल ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, %अब चुनाव खत्म हो गया है। उसकी बात छोड़िए। अब यह सोचिए कि आपके समाज और आपके बच्चों का भविष्य क्या होगा। इसलिए आरक्षण की बात की जाए। सभी मराठाओं को अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। इसलिए सभी मराठा फिर से एकजुट हो जाएं और आमरण अनशन की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद मैं सामूहिक भूख हड़ताल का ऐलान करूंगा।

पत्नी की हत्या कर सड़ी-गली लाश ले दिल्ली में 1 हफ्ते तक घूमता रहा ट्रक ड्राइवर, अरेस्ट

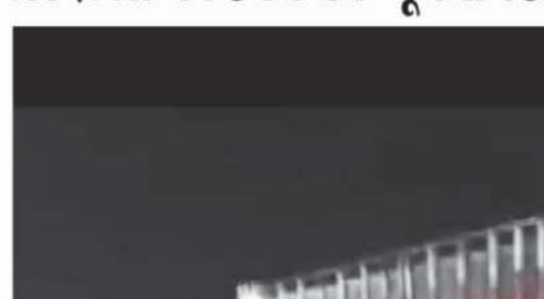

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक ट्रक ड्राइवर की हैवानियत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 34 वर्षीय ट्रक ड्राइवर कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर, उसकी सड़ी-गली लाश को ट्रक के कंपार्टमेंट में रखकर दक्षिणी दिल्ली के ओखला इलाके में करीब एक हफ्ते तक घूमता रहा। हैरानी की बात यह कि इस दौरान वह पकड़ में नहीं आया। पुलिस ने उसे कैसे किया अरेस्ट इस रिपोर्ट में जानें। पुलिस ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह को रविवार शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने खुद ही अपने गाड़ी मालिक से फोन पर बात करके अपना जुर्म कबूल किया। इसके बाद मुंबई में रहने वाले गाड़ी मालिक ने दिल्ली पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उसे पकड़ा गया। आरोपी प्रदीप ने अपनी पत्नी 34 वर्षीय नीतू सिंह की 18 या 19 नवंबर को हत्या कर दी थी। पुलिस जांच टीम के सूत्रों ने बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह को शक था कि उसकी पत्नी का किसी और से चक्कर है। पत्नी की हत्या करने के बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए जब आरोपी ट्रक ड्राइवर को जगह नहीं मिली तो उसने उसे चादरों से ढक दिया। वह ट्रक में ही लाश का रखकर दिल्ली के ओखला इलाके में करीब एक हफ्ते तक घूमता रहा।

जांच टीम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि आरोपी प्रदीप सिंह 13 नवंबर को ओखला औद्योगिक क्षेत्र में एक विक्रेता को सामान की डिलीवरी करने के लिए मुंबई से दिल्ली ट्रक लेकर पहुंचा था। उसने डिलीवरी की और हरियाणा के हांसी से अपनी पत्नी को दिल्ली बुलाया। उसकी पत्नी 15 से 16 नवंबर के बीच दिल्ली पहुंची थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदीप का कहना है कि 18 या 19 नवंबर को उसकी पत्नी के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़ा तब और बढ़ गया जब उसने नीतू पर धोखा देने का आरोप लगाया। इसी झगड़े के दौरान उसने पत्नी की हत्या कर दी। वारदात का पता तब चला जब आरोपी ने ट्रक मालिक को कॉल या मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। इस बीच वह एक हफ्ते तक ओखला इलाके में घूमता रहा। आखिरकार वह थक गया और उसने शनिवार को अपने वाहन मालिक को फोन किया। उसने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूली। शुरुआत में ट्रक मालिक को लगा कि ड्राइवर नशे में है। इसके बाद उसने ट्रक ड्राइवर को देखने के लिए एक सहयोगी को भेजा। सहयोगी ने ट्रक में लाश देखी और तेज बदबू महसूस की। गाड़ी मालिक के सहयोगी ने तुरंत उसे घटना की जानकारी दी। इसके बाद वाहन मालिक ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने कहा कि वाहन में कोल्ड स्टोरेज है, लेकिन आरोपी ने अपनी पत्नी की लाश को केबिन में रखने का फैसला किया। इसके बाद पुलिस की एक टीम ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2 भेजी गई, जहां ट्रक के केबिन में खून से लथपथ नीतू की सड़ी गली लाश बरामद की। पुलिस ने प्रदीप को मौके से गिरफ्तार कर लिया। वह पांच से छह दिनों तक ट्रक के अंदर अपनी पत्नी की सड़ी गली लाश के साथ रहा, क्योंकि उसके पास रहने के लिए कोई दूसरी जगह नहीं थी।दंपति पहले से शादीशुदा थे। उन्होंने अपने पार्टनर से तलाक ले लिया था। वे दो-तीन साल पहले हरियाणा के हांसी के पास मिले और साथ रहने लगे। हालांकि उनकी शादी का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। उनके बच्चों (पिछली शादियों से) ने बताया कि दोनों एक मंदिर में शादी की थी।

छत्तीसगढ़ में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप, सरकारी स्कूल के 3 शिक्षकों समेत चार आरोपियों ने की वारदात

मनेंद्रगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 17 साल की एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो यह है कि वारदात का आरोप सरकारी स्कूल के 3 शिक्षकों सहित चार लोगों पर लगा है। जिसके बाद मंगलवार को पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। नाबालिग पीड़िता का कहना है कि उसके साथ कथित तौर पर दो बार 15 और 22 नवंबर को जनकपुर थाना क्षेत्र में आने वाले एक इलाके में गैंगरेप किया गया।

वारदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि इस संबंध में पीड़िता की शिकायत के आधार पर मंगलवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवगढ़ के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के दो शिक्षकों अशोक कुमार कुशवाहा और कुशल सिंह परिहार के अलावा सरकारी प्राथमिक विद्यालय देवगढ़ के प्रधानाध्यापक रवेंद्र सिंह कुशवाहा और वन विभाग के एक कर्मचारी बनवारी सिंह के रूप में हुई है। पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, पीड़िता जो कि एक अन्य सरकारी स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा है, पढ़ाई में उसकी मदद करने के बहाने आरोपी रवेंद्र उसे अपनी कार में बैठाकर 15 नवंबर को उसे एक अन्य आरोपी कुशल के घर ले गया। जहां पहले से ही तीसरा आरोपी अशोक भी मौजूद था। इसके बाद उन तीनों ने बारी-बारी से लड़की के साथ बलात्कार किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने अपने मोबाइल से इस घटना का वीडियो भी बना लिया और पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को भी बताया तो वे इसे वायरल कर देंगे। इसके बाद तीनों आरोपियों ने उसी वीडियो के दम पर लड़की को ब्लैकमेल करते हुए 22 नवंबर को उसे बनवारी के किराए के मकान पर बुलाया, जहां उसके साथ फिर से बलात्कार किया गया। इस दौरान बनवारी ने भी अपराध में उनका साथ दिया। पुलिस के मुताबिक बाद में लड़की ने हिम्मत जुटाई और अपने माता-पिता को पूरी वारदात के बारे में बता दिया। जिसके बाद मंगलवार को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई।

ओडिशा सरकार की अनूठी पहल, सभी विधायकों से 5-5 अनाथ बच्चों को गोद लेने की अपील

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा की उप मुख्यमंत्री प्रवती परीदा ने संविधान दिवस के दिन राज्य सरकार की एक अनूठी पहल का ऐलान किया है। परीदा ने मंगलवार को कहा कि ओडिशा के सभी 147 विधायकों से राज्य में गोद लेने को बढ़ावा देने के लिए कम से कम पांच अनाथ बच्चों को गोद लेने के लिए कहा जाएगा। परीदा राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम समाज में एक मिसाल पेश करने और अनाथ बच्चों के प्रति संवेदनशील वातावरण तैयार करने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे अनाथ बच्चों का भविष्य संवारा जा सकेगा और इस तरह के सामूहिक प्रयास से अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर एक मॉडल के रूप में काम करने की क्षमता विकसित हो सकेगी। उप मुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा, अगर ओडिशा के हरेक विधायक कम से कम पांच बच्चों को गोद ले लेते है तो 600 से अधिक बच्चों की जीवन बदल सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का कोई विरोध नहीं होगा।

उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गोद लेने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए वर्तमान में एक सूची तैयार की जा रही है। परीदा ने कहा, सामाजिक कार्यकर्ता, वकील और किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के अधिकारी अनाथ बच्चों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैया रखते हैं। विभाग जल्द ही ऐसे बच्चों को गोद लेने के संबंध में अंतिम निर्णय लेगा। केंद्रीय दत्तक ग्रहण एजेंसी सीएआरए के अनुसार, पिछले 5 वर्षों में ओडिशा के 900 से अधिक अनाथ बच्चों को गोद लिया गया है। देश में गोद लेने के मामले में ओडिशा शीर्ष 5 राज्यों में एक बना हुआ है। ओडिशा में लगभग 329 पंजीकृत बाल देखभाल संस्थान हैं, जो अनाथ, परित्यक्त और बचाए गए बच्चों को आश्रय देते हैं। उनमें से 140 केंद्रों पर 8,000 से अधिक बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और पुनः एकीकरण के लिए केंद्र सरकार की मिशन वात्सल्य योजना द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

दिल्ली की हवा में थोड़ा सुधार, एक्यूआई 300 के करीब पहुंचा, एनसीआर ने ली राहत वाली सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मौसम की वजह से हवा खराब स्थिति में है। बुधवार सुबह भी धुंध की परत नजर आई। हालांकि प्रदूषण के स्तर में गिरावट दर्ज हुई है। बीते मंगलवार तक लगातार तीन दिनों तक एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, बुधवार को सुबह 7 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज हुआ है। जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

दिल्ली में जहरीली धुंध का असर जारी है। वायु प्रदूषण खराब स्तर पर बना हुआ है। बीती रात तेज हवा चलने से प्रदूषण के स्तर में गिरावट देखने को मिली। सीपीसीबी के अनुसार, बुधवार सुबह सात बजे आनंद विहार में 311, बवाना में 341, जहांगीरपुरी में 330, पंजाबी बाग में 326 और नजफगढ़ में 295 एक्यूआई दर्ज हुआ है।

एक्यूआई में आई कमी : मौसम साथ न देने से दिल्ली की हवाएं बेहद खराब स्थिति में है। सुबह दिल्ली के कई इलाकों में स्मॉग की चादर छाई रही। दिन में मामूली सुधार के बाद शाम को दोबारा हवाओं की चाल चार किमी प्रति घंटा पर ठहर गई। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक में सिर्फ छह अंकों का सुधार हुआ। 24 घंटों का औसत एक्यूआई सोमवार के 349 की तुलना में मंगलवार 343 पर पहुंच गया। प्रदूषण पर काम करने वाली एजेंसियों को अभी हवाओं की सेहत में सुधार की उम्मीद नहीं दिख रही है। अगले तीन दिनों तक एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में ही रहने का अनुमान है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के अनुसार, मंगलवार सुबह उत्तर पश्चिमी दिशाओं से चल रही हवाओं की रफ्तार चार किमी प्रति घंटा रिकॉर्ड की गई। इससे आसमान साफ होने के बाद भी सुबह दिल्ली की कई इलाकों में स्मॉग की चादर फैली रही। दिन में हवाओं की चाल में सुधार हुआ और यह आठ किमी प्रति घंटा पहुंच गई। इससे प्रदूषण में मामूली गिरावट दिखी। शाम को दोबारा हवाएं चार किमी प्रति घंटा की रफ्तार पर ठहर गई। इससे प्रदूषकों की मात्रा में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसका असर मिक्सिंग हाइट और वेंटिलेशन इंडेक्स पर भी पड़ा। दोनों पैरामीटर प्रतिकूल होने से 24 घंटे का औसत एक्यूआई 343 रिकार्ड किया गया।

प्रदूषण में वाहनों की हिस्सेदारी अभी भी भारी : आईआईटीएम के डिसिजन स्पोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के मुताबिक, हवा में दिल्ली के वाहनों से होने वाली प्रदूषण की हिस्सेदारी मंगलवार भारी रही। इसका हिस्सा 22 फीसदी से ज्यादा रहा। जबकि सोमवार यह 17 फीसदी के करीब था। इस दौरान पराली के धुएं का हिस्सा करीब सात फीसदी रिकार्ड किया गया। आईआईटीएम का अनुमान है कि बुधवार को भी मौसमी दशाओं में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। दिन भर हवाएं 4-6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी। इसका पैटर्न मंगवार की तरह ही रहेगा। सुबह दिल्ली में स्मॉग की चादर छाई रहेगी। दिन में मामूली सुधार के बाद शाम को दोबारा से हालात बिगड़ने का अंदेशा है।

ऋषभ पंत का रिकॉर्ड टूटा

गुजरात के उर्विल पटेल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लगाया सबसे तेज शतक

इंदौर, एजेंसी। गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल ने बुधवार को यहां त्रिपुरा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में केवल 28 गेंद पर शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया।

उर्विल ने ठीक एक साल पहले लिस्ट ए में सबसे तेज सैकड़ा जमाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर अपना नाम लिखवाया था। टी20 क्रिकेट में 26 वर्षीय उर्विल ने ऋषभ पंत का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2018 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंद पर शतक बनाया था। उर्विल इस तरह से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं।

विश्व रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम पर है जिन्होंने साइप्रस के खिलाफ 27 गेंद पर शतक बनाया था। सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे उर्विल ने 35 गेंद पर नाबाद 113 रन बनाए जिसमें सात चौके और 12 छक्के शामिल हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन से गुजरात ने केवल 10.2 ओवर में 156 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया।

इस आक्रामक बल्लेबाज को हाल में इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था। उर्विल ने एक साल चंडीगढ़ में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में 41 गेंद पर 100 रन बनाए थे जो लिस्ट ए में किसी भारतीय बल्लेबाज का दूसरा सबसे तेज शतक है।

एडिलेड टेस्ट में भी नजर नहीं आएंगे गिल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत जीत के साथ की है। इस टेस्ट मैच से पहले शुभमन गिल चोटिल हो गए थे। वह पर्थ टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुभमन गिल एडिलेड में होने वाले पिंक बॉल टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे। उन्हें ठीक में होने में अभी भी समय लगेगा।

शुभमन गिल को लगी थी अंगूठे में चोट

शुभमन गिल को वॉर्म मैच के दौरान अंगूठे में चोट लगी थी। वह पर्थ टेस्ट का हिस्सा नहीं हो पाए। दूसरे टेस्ट मैच से पहले भारत एडिलेड में दो दिवसीय वॉर्म अप मैच खेलने वाला है। गिल का यह मैच खेलना तय नहीं है। गिल का पिंक बॉल टेस्ट मैच खेलना भी तय नहीं है।

गिल को दिया गया था 14 दिन का आराम

'गिल को 10 से 14 दिन का आराम करने को कहा गया है। वह प्रैक्टिस मैच नहीं खेलेंगे। इस समय पर उनका दूसरा टेस्ट खेलना भी तय नहीं है। देखना होगा कि उनकी इंजरी कितनी ठीक हुई है। अगर इंजरी ठीक हो जाती है तो भी उन्हें खेलने की स्थिति में आने में समय लगेगा।'

देवदत्त पडिक्कल तीसरे नंबर पर करते हैं बल्लेबाजी

गिल टेस्ट टीम में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरते हैं। पहले टेस्ट में गिल की जगह देवदत्त पडिक्कल को नंबर 3 पर उतारा गया था। यह बल्लेबाज पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाए थे। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 25 रन बनाए और केएल राहुल के साथ 74 रनों की साझेदारी की।

बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में फिर नं-1 बॉलर

- **बैटिंग में जायसवाल दूसरे नंबर पर पहुंचे, कोहली को 9 स्थान का फायदा**

नईदिल्ली, एजेंसी। बुमराह ने साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ा और एक कैलेंडर ईयर में दूसरी बार टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के शुरू होने से पहले बुमराह गेंदबाजों की रैंकिंग में रबाडा और जोश हेजलवुड के बाद तीसरे स्थान पर थे। पहले टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन का फायदा बुमराह को मिला और वह एक बार फिर टॉप पर पहुंच गए।

श्रीलंका के खिलाफ साउथ अफ्रीका की तेज गेंदबाजी की अगुआई कर रहे रबाडा दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड तीसरे स्थान पर हैं। यशस्वी ने भी छलांग लगाई भारत को ऑस्ट्रेलिया पर मिली 295 रनों की जीत में अहम योगदान देने वाले यशस्वी जायसवाल ने भी रैंकिंग में छलांग लगाई है। यशस्वी बैटिंग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। उनसे आगे फिलहाल इंग्लैंड के जो रूट हैं। यशस्वी की रेटिंग अंक 825 है जो उनके करियर की बेस्ट रेटिंग है।

यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 161 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, वह पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे। यशस्वी ने केएल राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 201 रनों की साझेदारी की थी।

यशस्वी ने दूसरी पारी में 161 रन की पारी खेली थी।

कोहली को हुआ नौ स्थान का फायदा पर्थ टेस्ट में नाबाद शतकीय पारी खेलने वाले स्टार बैटर विराट कोहली को भी नौ स्थान का फायदा हुआ है और वह 13वें स्थान पर आ गए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए थे। यह उनका टेस्ट में 30वां शतक था। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन खराब फॉर्म के चलते 14वें स्थान पर खिसक गए हैं। स्टीव स्मिथ और उस्मान ख्वाजा को भी दो और चार स्थान का नुकसान हुआ है। कोहली ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 100 रन बनाए थे।

ग्लेन मैक्सवेल ने की भविष्यवाणी

यशस्वी जायसावल टेस्ट में 40 से अधिक शतक लगाएंगे

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का मानना है कि यशस्वी जायसवाल की विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की क्षमता और कोई खास कमजोरी नहीं होने के कारण यह सलामी बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 40 से अधिक शतक लगाएगा और उनके नाम पर कई रिकॉर्ड दर्ज होंगे। भारतीय क्रिकेट की प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं में से एक 22 वर्षीय सलामी बल्लेबाज जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की।

उन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके टीम में अपनी जगह पक्की की। मैक्सवेल ने 'द ग्रेड क्रिकेटर पॉडकास्ट पर कहा, 'वह (जायसवाल) ऐसा खिलाड़ी है जो संभवत- 40 से अधिक टेस्ट शतक लगाएगा और कुछ अलग रिकॉर्ड बनाएगा। उसके पास विभिन्न परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने की अद्भुत क्षमता है। जायसवाल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे जिससे भारत ने यह मैच 295 रन से जीत कर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई। जायसवाल ने अभी तक 15 टेस्ट मैच में 58.07 की शानदार औसत से 1568 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक शामिल हैं।

पर्थ में पहली पारी में वह खाता नहीं खोल पाए थे लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने शानदार वापसी की जिससे उनके बल्लेबाजी कौशल का पता चलता है।

मैक्सवेल ने कहा, 'उसने कई तरह के शॉट खेले लेकिन बीच में उसने जिस तरह से गेंदें छोड़ी और जिस तरह से वह बैक फुट पर जाकर खेला वह महत्वपूर्ण था। उसका फुटवर्क बहुत अच्छा है। ऐसा नहीं लगता है कि उसमें कोई खास कमजोरी है। वह शॉर्ट पिच गेंद को अच्छी तरह से खेलता है, अच्छी ड्राइव करता है, स्पिन को अविश्वसनीय रूप से अच्छी तरह से खेलता है और दबाव झेल सकता है। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया अगर उसे रोकने का कोई तरीका नहीं ढूंढ पाया तो फिर स्थिति भयावह होगी।

मैक्सवेल ने नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभालने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की जिन्होंने पहले टेस्ट मैच में 72 रन देकर आठ लिए विकेट लिए और भारत को ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'भारत के पास बुमराह और जायसवाल के रूप में दो अद्भुत प्रतिभाएं हैं। मैंने पहले भी कहा था कि बुमराह संभावित रूप से सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के रूप में जाने जाएंगे।

नाडा ने बजरंग पूनिया को 4 साल के लिए निलंबित किया

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी ने ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया को 4 साल के लिए निलंबित कर दिया है। नाडा ने अपने आदेश में माना है कि बजरंग पूनिया ने अनुच्छेद 10.3.1 का उल्लंघन किया और निलंबन के पात्र हैं। नाडा का फैसला आने के बाद बजरंग पूनिया ने पूरे घटनाक्रम के पीछे राजनीतिक साजिश होने का आरोप लगाया।

बजरंग पूनिया ने समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में कहा, 'सबसे पहले तो मेरे लिये यह कोई शॉकिंग चीज नहीं है। जिस तरह से मैं एक साल से चीजें झेल रहा हूं। नाडा ने बीच में एक बार मुझे बहाल भी कर दिया, जो नाडा ने पैनल बनाया था, उसमें मैंने इन चीजों का जवाब दिया था और उन्होंने बहाल कर दिया था, लेकिन दोबारा से एक पैनल बनाकर दोबारा से ये चीजें करके दोबारा से चार साल का बैन अभी लगाया है। बजरंग पूनिया ने कहा, 'ज्लेकिन जो पीछे एक्सपायरी किट का था, मैं एक साल से जवाब मांग रहा हूं, अब तक नहीं आया। मैंने 4-5 बार मेल भी किया है। मैंने किट का पूरा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी डाला था। उसके बाद नाडा बोल रही है कि भई बजरंग ने सैंपल नहीं दिया, बल्कि वेन्यू छोड़कर चला गया। जब राष्ट्रीय स्तर के ट्रायल हो रहे थे यह उस समय की बात है।

बजरंग पूनिया ने कहा, 'ज्तो मैं देशवासियों और जो बड़े अधिकारी हैं, जिनको लगता है कि खिलाड़ी गलत कर रहा हूं तो उनको भी बताना चाहता हूं कि जब ट्रायल चल रहे थे जो उन्होंने टाइम दे रखा था कि उस समय बजरंग वेन्यू छोड़कर चला गया था, उसके बाद जो आपने डॉक्टर अपॉइंट कर रखा था, वह सरकारी डॉक्टर था, उससे मेडिकल बनवाया और उसने टाइम लिख रखा है किस टाइम मैंने मेडिकल बनवाया, अधिकारियों को दिया, उसके बाद मैंने वेन्यू छोड़ा था।'

बजरंग पूनिया ने कहा, 'मेरे पास यह साबित करने के सभी सबूत हैं कि मैं आयोजन स्थल पर मौजूद था। ऐसा कभी नहीं होता कि टूर्नामेंट के दौरान मुकाबलों के बीच में (डोप टेस्ट के लिए) सैंपल लिया जाता है। लेकिन मैं एक्सपायर हो चुके डोपिंग किट पर जवाब चाहता हूं। यह सब कर रहा है क्योंकि हम महिला पहलवानों के साथ खड़े हैं। यह स्पष्ट है कि सरकार इसमें शामिल है।'

चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने लेवांडोव्स्की

रोम, एजेंसी। रॉबर्ट लेवांडोव्स्की अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। अर्लिंग हॉलैंड ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल होने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए।

इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मैनचेस्टर सिटी की तरफ से फेयेनोर्ड के खिलाफ दो गोल किए और इस प्रतियोगिता में अपनी कुल गोल की संख्या 46 पर पहुंचाई। हॉलैंड के इस शानदार प्रदर्शन के बावजूद मैनचेस्टर सिटी ने फेयेनोर्ड के खिलाफ यह मैच 3-3 से ड्रा खेला। मैनचेस्टर सिटी इस तरह से पिछले छह मैच में जीत हासिल नहीं कर पाया है। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत में शुरू में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर चैंपियंस लीग में अपना 100वां गोल किया। पोलैंड के इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वां गोल किया। चैंपियंस लीग में सर्वाधिक 140 गोल रोनाल्डो ने किए हैं। उनके बाद मेसी का नंबर आता है जिनके नाम पर 129 गोल दर्ज हैं।

लेवांडोव्स्की ने मैच के बाद कहा, 'यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में 100 गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर खुश हूं। 36 वर्षीय लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में इस मुकाम पर पहुंचे। मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की तरफ से दूसरे हाफ में दानी ओल्मो ने भी गोल किया। बार्सिलोना ने इस तरह से ब्रेस्ट के अजेय अभियान पर रोक लगाई जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

एंटीगुआ टेस्टः

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 201 रन से हराया सीरीज में 1-0 से आगे

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की टीम को वेस्टइंडीज दौरे पर खेले गए पहले टेस्ट में 201 रन से हार का सामना करना पड़ा है। एंटीगुआ टेस्ट में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 334 रन टारगेट रखा था। बांग्लादेश की टीम महज 132 रन ही बना पाई। टीम का आखिरी बल्लेबाज रिटायर्ड हर्ट हुआ।

दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बांग्लादेश पर वेस्टइंडीज ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में नौ विकेट पर 450 रन बनाए थे, जिसके जवाब में बांग्लादेश की टीम ने नौ विकेट पर 269 रन पर पारी घोषित कर दी थी। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज को दूसरी पारी में 152 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश के बल्लेबाज भी दूसरी पारी में कुछ खास नहीं कर पाए और पूरी टीम दूसरी पारी में 132 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के कप्तान ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। ग्रीव्स ने पहली पारी में 115 रन की पारी खेली वेस्टइंडीज के लिए पहली पारी में 10 महीने बाद टीम में वापसी कर रहे जस्टिन ग्रीव्स ने 115 रन की पारी खेली।

23 साल के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की मौत, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच दौड़ी शोक की लहर

नईदिल्ली, एजेंसी। एक ओर जहां ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का आयोजन हो रहा है वहीं दूसरी ओर इस सीरीज के बीच पूरे ऑस्ट्रेलिया में शोक की लहर दौड़ गई है. खबर बेहद ही दुखद है, क्योंकि एक युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दम तोड़ दिया है. ये खिलाड़ी महज 23 साल का था और वो स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गजों के साथ भी मैच खेला है. बात हो रही है डार्विन के क्रिकेटर आदि डेव की, जिनकी मौत के बाद से पूरी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कम्युनिटी सदमे में है. इस खिलाड़ी की मौत कैसे हुई, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है.

द डार्विन क्रिकेट क्लब ने अपनी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनका खिलाड़ी आदि डेव अब इस दुनिया में नहीं रहा. आदि डेव ऑलराउंडर थे. वो अपनी लेफ्ट आर्म स्पिन के लिए मशहूर थे. ये खिलाड़ी महज 15 साल की उम्र में सुर्खियों में आया था. साल 2017 में डार्विन में डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ की टीम के बीच इंटरा-स्क्वाड मैच खेला गया था जिसमें आदि डेव को फील्डिंग करने का मौका मिला था.

पहले से ही शोक मना रहा है ऑस्ट्रेलिया

27 नवंबर को वैसे ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सभी फैंस गमगीन रहते हैं क्योंकि इसी दिन उनके बेहद ही टैलेंटेड खिलाड़ी की मौत हुई थी.

29 नवंबर को तय होगा चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य

पाकिस्तान नहीं माना तो आईसीसी उठा सकता है यह कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का भविष्य शुक्रवार 29 नवंबर 2024 को तय होगा। आईसीसी ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए बोर्ड की बैठक (वर्चुअल) बुलाई है। यदि पाकिस्तान प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल से सहमत नहीं होता है, तो मतदान प्रक्रिया के माध्यम से देश से मेजबानी के अधिकार छीनने की योजना है। रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि पाकिस्तान को अपना रुख बदलने के लिए मनाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पीसीबी सह-मेजबानी को तैयार नहीं

हालांकि, पीसीबी सूत्रों के हवाले से क्रिकेट पाकिस्तान ने लिखा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सह-मेजबानी या अतिरिक्त मौद्रिक मुआवजे से जुड़े किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। पीसीबी इस आयोजन को पूरी तरह से पाकिस्तान में ही कराने के लिए अड़ा है। साल 2025 की शुरुआत में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी कई वर्षों के बाद पाकिस्तान के आईसीसी इवेंट की मेजबानी करने की वापसी का प्रतीक है।

मीटिंग में हाइब्रिड मॉडल पर चर्चा

क्रिकेट पाकिस्तान ने लिखा, 'शुक्रवार 29 नवंबर को होने वाली वर्चुअल मीटिंग में चैंपियंस ट्रॉफी के हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित किये जाने पर चर्चा की जाएगी। अगर पाकिस्तान इससे सहमत नहीं होता है, तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पूरे आयोजन को दूसरी जगह कराने के लिए वोटिंग प्रक्रिया का सहारा ले सकता है। ऐसी स्थिति में, पीसीबी टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकता है या भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर सकता है।

आदिवासी समाज के अस्तित्व पर संकट के बादल, विस्थापन करने के बावजूद नही दिया निर्धारित मुआवजा

एक दर्जन आदिवासी ग्रामो के लोगो का जीवन संकट में, जयस संगठ्न करेगा आन्दोलन

पन्ना। देश को आज़ाद हुए 76 साल हो चुके हैं, लेकिन आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विकास के दावे अभी भी अधूरे ही साबित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के करीब एक दर्जन गाँव, जो केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित हैं, न केवल बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, बल्कि अब विस्थापन के संकट से भी जूझ रहे हैं। यह संकट सिर्फ जमीन छोड़ने का नहीं, बल्कि उनके जीवन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान के मिट जाने का है। उक्त मामले के संबंध में विस्थापित गाँव कें लोगो ने बताया कि, पन्ना जिले के गहदरा, कूड़न, खमरी और मझौली जैसे प्रभावित गाँवों की हालत बेहद खराब है। इन गाँवों में पक्की सड़कें नहीं हैं। गाँव के अंदर पहुँचने के लिए कच्चे रास्तों पर घंटों का सफर तय करना पड़ता है। यहाँ बिजली का नामोनिशान नहीं है। स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था इतनी खराब है कि महिलाओं और बच्चों को दूर-दूर तक जाकर पानी लाना पड़ता है। गहदरा गाँव की 70 वर्षीय शोभारानी, जिनकी झुर्रियों में संघर्ष की कहानियाँ दर्ज हैं, विस्थापन की त्रासदी को लेकर बेहद आहत हैं। उनकी आवाज़ में दर्द और नाराज़गी दोनों साफ झलकते हैं। उन्होने बताया कि यह जमीन हमारे पूर्वजों की धरोहर है। हम इसे कैसे छोड़ सकते हैं? पानी लाने के लिए हमारे बच्चे कई किलोमीटर दूर जाते हैं। इतनी छोटी उम्र में ही वे अपने वजन से दोगुना पानी उठाकर लाते हैं। सरकार को इन बच्चों की तकलीफें क्यों नहीं दिखाई देतीं? अगर कोई बीमार पड़ जाए, तो अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस तक यहाँ नहीं पहुँचती। अक्सर लोग इलाज के अभाव में दम तोड़ देते हैं। शोभारानी की यह पीड़ा सिर्फ व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि पूरे समुदाय का दर्द है। उनका कहना है कि विस्थापन के नाम पर सरकार ने उनसे उनकी जमीन, उनकी पहचान और उनका जीवन छीन लिया है। उनका सरकार से सवाल है, क्या हमारे जीवन की कोई कीमत नहीं? विस्थापन का दर्द केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत पन्ना जिले के आठ गाँवोंकृकूड़ान, गहदरा, कोनी, मझौली, खमरी, बिल्हटा, और कटहरी आदिवासी निवासियों को विस्थापित किया जाना तय है। यह परियोजना केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से नदियों को जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सूखा प्रभावित क्षेत्रों में सिंचाई और जल उपलब्धता बढ़ाना है। लेकिन इस परियोजना का सबसे बड़ा नुकसान इन आदिवासी परिवारों को उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विस्थापन की प्रक्रिया में न तो उनकी राय ली गई, न ही उन्हें पूरी जानकारी दी गई। उन्हें यह तक नहीं बताया गया कि कब उनकी जमीनों का सर्वे हुआ और कब मुआवजा तय किया गया। खमरी गाँव के तीरथ सिंह ने बताया कि मुआवजा इतना कम दिया जा रहा है कि उससे कोई दूसरी जमीन खरीद पाना नामुमकिन है। हम कहें कि सरकार हमें धोखा दे रही है, तो यह गलत नहीं होगा। यह जमीन हमारे पूर्वजों की निशानी है। इसे छोड़कर जाने का मतलब है अपनी संस्कृति और अस्तित्व को मिटाना। हम यहाँ से नहीं जाएंगे। तीरथ सिंह आगे कहते हैं,- हमारी आजीविका खेती और पशुपालन पर निर्भर है। विस्थापन के बाद हमारे पास कुछ नहीं बचेगा। सरकार को हमारी समस्याओं की परवाह ही नहीं है। विस्थापन प्रक्रिया में भारी खामियां है मुआवजा राशि इतनी कम है कि विस्थापित परिवार इसके जरिए दूसरी जमीन नहीं खरीद सकते। 18 वर्ष से ऊपर के युवाओं को मुआवजा सूची में शामिल नहीं किया गया। पशुधन, जो आदिवासियों की आजीविका का मुख्य स्रोत है, उसके लिए भी उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा। पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी तरह अधूरी है। आदिवासी संस्कृति और अस्तित्व पर खतरा यह क्षेत्र कभी गोंडवाना साम्राज्य का हिस्सा था, जहाँ गोंड आदिवासियों का शासन था। पीढ़ियों से ये आदिवासी यहाँ खेती, पशुपालन, और वन उत्पादों से अपनी आजीविका चलाते आ रहे हैं। अब विस्थापन की वजह से उनकी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान खतरे में है। ग्रामीणों की मुख्य मांगे जमीन के बदले जमीन। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें ऐसी जमीन दी जाए, जहाँ वे खेती कर सकें। मुआवजा बढ़ाया जाए। वर्तमान मुआवजा राशि से नई जमीन खरीदना असंभव है। 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं को मुआवजा दिया जाए। यह उनके भविष्य के लिए जरूरी है। पुनर्वास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि हमारी मांगे नहीं मानी गई तो आंदोलन किया जायेगा, उक्त मामले को लेकर जयस संगठन के अध्यक्ष मुकेश गोड़ ने कहा कि यदि आदिवासी वर्ग की मांगो को नहीं माना जायेगा तो हम सयज के प्रदेश अध्यक्ष के नेत्रत्व में केन बेतवा लिंक के परियोजना के विरोध में आन्दोलन करेगें।

सिद्ध चक्र मंडल विधान के समापन अवसर पर निकली भव्य शोभा यात्रा

पन्ना। पन्ना तहसील अन्तर्गत बृजपुर कस्वा में जैन समाज का सात दिवसीय मंडल विधान धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुआ, अतिंम दिन नगर में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। उक्त शोभा यात्रा में चार हाथियों के पीठ पर बनें मान स्तंभ 21 फोटो उंची मानस के साथ चारो इन्द्र धर्मेन्द्र, सनद कुमार, महेन्द्र, ईशान, आदि शामिल रहें। स्वामी जी की वाणी प्रतिमा को लेकर विराजमान थें। उक्त शोभा यात्रा बृजपुर के बड़े दिगम्ब जैन मंदिर से हाट बजार होते हुए समाधि स्थल प्रकर्श सागर जी महराज तक पंहुची इस दौरान हजारो की संख्या में लोग शामिल हुए। तथा उक्त कार्यक्रम में आशीर्वाद देने विनिश्चल सागर से जी महराज तथा विनियोग सागर जी महराज शामिल रहें।

डिवाईडर से टकराई एम्बूलेंस चालक तथा एमटी घायल

पन्ना। देवेन्द्र नगर कस्वा में मवेशियों के धमाचौकड़ी के चलते आये दिन दुर्घटना हो रहीं है। इसी प्रकार की दुर्घना घटित हुई, जिसमें एम्बूलेंस वाहन चालक द्वारा जानवर को बचाने के चक्कर में एम्बूलेसं डिवाईडर से टकरा गई, तेज रफ्तार एम्बूलेंस होने के चलते चालक तथा उसमे सवार एमटी को गंभीर चोटे आई है, दोनो को देवेन्द्र नगर उपस्वास्थ केन्द्र में भर्ती करया गया है, जहां पर उनका ईलाज चल रहा है।

आम आदमी पार्टी ने अंबेडकर प्रतिमा के सामने केक काटकर मनाया संविधान एवं पार्टी का स्थापना दिवस

जिला अस्पताल के निजीकरण को लेकर सौंपा ज्ञापन

पन्ना। आम आदमी पार्टी जिला इकाई पन्ना ने छत्रसाल पार्क से पदयात्रा कर अंबेडकर चौक पन्ना में पहुंचकर संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित करने के बाद अंबेडकर प्रतिमा के सामने केक काटकर संविधान दिवस और आम आदमी पार्टी का 12वां स्थापना दिवस मनाया, इस अवसर पर आम आदमी पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती अंजली यादव सहित पार्टी के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा एवं देशवासियों के अधिकारों के लिए आम आदमी पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने एवं समर्पित भाव से कार्य करने की शपथ ली। तत्पश्चात् जिला चिकित्सालय पन्ना को निजी हाथों में देने को लेकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा तथा जिला अध्यक्ष अंजली यादव ने कहा कि कहा कि पन्ना जिला प्रदेश में सबसे गरीब जिला है, यहां के लोग मोटी रकम देकर ईलाज नहीं करा सकते है, गरीब लोगो को शासन के द्वारा जिला अस्पताल के माध्यम से जो भी सुविधाए मिल रही थी, वह भी बंद होने जा रही है तथा निजी कंपनी को जिला अस्पताल देने से आम गरीब ईलाज से बंचित हो जायेगा। हमारी पार्टी यह होने नहीं देगी तथा आगामी समय में बड़ा आन्दोलन करेगें। इस दौरान अनेक लोग उपस्थित रहें जिसमें मुख्य रूप से ऋषि कुमार मिश्रा, रूपबसंन्त कुशवाहा, मनीराम पटेल, बाला प्रसाद, महेन्द्र बागरी, सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

सिमरी देवेन्द्र नगर निवासी चार लोगो की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत

मैहर के पास हुआ भीषण हादसा, शादी समारोह से लौट रहे थे मृतक

पन्ना। जिले के देवेन्द्रनगर थाना अन्तर्गत सिमरी नोनाही निवासी चार लोग शादी समारोह में कटनी गये हुए थें तथा कार क्रमांक एमपी 35 सीए 5631 बलेनो कार थी उक्त कार से वह लोग अपने घर वापिस लौट रहें थें, मैहर के पास ड्राइबर को नीन्द आ जाने के चलते कार सड़क के नीचे जा गिरी जिसमें कार मे सवार सभी चार लोगो की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कटनी मैहर राष्ट्रीय राज्यमार्ग 30 पर तेज रफ्तार कार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जाता है कि उक्त कार डिवाईडर से टकराकर खाई मे गिरी है। कार मैहर के पास घुसडू नदी के पास अनियंत्रित हो कर डिवाईडर से टकराई और पन्द्रह फिट गहरे गड्ढे में जा गिरी, जिसमें सवार उक्त सभी लोगो की मौत हो गई। म्रतकों में शुख विधान सिंह उम्र 45 वर्ष, दामोदर सिंह 44 वर्ष, शिवराज सिंह 34 वर्ष, अरविन्द सिंह 47 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। म्रतकों मे शिवराज सिंह भतिजा था, जबकी बाकी तीनों चचेरे भाई थें। स्थानीय लोगो की सूचना पर पुलिस मौके पर पंहुची और गाड़ी के कांच तोड़कर शवो को बाहर निकाला, तथा परिजनों को सूचना दी गई। उक्त घटना से नुनाही सिमरी के आस पास क्षेत्र में शोक का माहोल व्याप्त है, तथा सिमरी ग्राम में मातम पसरा हुआ है।

माध्यमिक शाला चिकलहाई को हाई स्कूल में उन्ययन कराये जाने की मांग

पन्ना। केन्द्र व प्रदेश सरकार शिक्षा के लिए करोडों रूपए हर वर्ष खर्च करती है। बच्चे स्कूल जायें इसके लिए स्कूल चलें हम अभियान चलाती है। आरटीई के तहत गरीब बच्चों को नि:शुल्क किताबें, यूनिफार्म आदि मुहैया कराती है लेकिन एक विद्यालय ऐसा भी है जो 45 वर्ष के बाद भी हाईस्कूल के रूप में उन्नयन नहीं हो पाया है। जिसके कारण गांव के कई बच्चे आगे की पढाई से वंचित हो रहे हैं। हम जानकारी दे रहे गुनौर विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले ग्राम चिकलहाई की। जहां पर वर्ष 1953 में प्राथमिक व 1981 में माध्यमिक स्कूल खोला गया लेकिन 45 वर्ष व्यतीत हो जाने के बाद भी चिकलहाई का मिडिल स्कूल हाई स्कूल नहीं बन सका। केन्द्र सरकार ने शिक्षा के अधिकार का कानून बनाया लेकिन यहां के कई बच्चे ऐसे हैं जो 8वीं के बाद आगे शिक्षा से वंचित हो गये हैं लेकिन इस दिशा में ग्राम पंचायत से लेकर विधायक व सांसद ने कोई ऐसे गंभीर प्रयास नहीं किये कि चिकलहाई में हाईस्कूल बन जायें तो गांव के बच्चे पढ-लिख सकें। गांव के कुछ लोगों ने इस मांग को तो उठाया है लेकिन वह कारगर नहीं हो सकी। शिक्षा विभाग की भी कहीं न कहीं लापरवाही इसमें दिखलाई दे रही है नहीं तो हर वर्ष विभागीय स्तर पर भी आवश्यकतानुसार शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जिसमें गंभीरता नहीं दिखलाई दी। महेवा और अमानगंज तक पढने जाते हैं गांव के बच्चे 8वीं तक पढाई कर लेने के बाद आगे की शिक्षा ग्रहण करने के लिए चिकलहाई के छात्र-छात्राओं को मजबूरन महेवा और अमानगंज तक पैदल या साइकिल से जाना पडता है। सबसे ज्यादा दिक्कत बरसात के दिनों में होती है चिकलहाई से महेवा की दूरी 06 किमी व अमानगंज की दूरी लगभग 8 से 10 किमी है। खेत-खलिहान से सूनसान वाले मार्ग से गांव की लडकियों का जाना उनके अभिभावकों के लिए चिंताजनक है। जनप्रतिनिधियों व प्रशासन को छात्राओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए गांव में ही लडकियां पढ सकें इसके लिए तत्काल कदम उठाये जाने की आवश्यकता है। प्राथमिक व माध्यमिक एक-एक शिक्षक की कमीं चिकलहाई की प्राथमिक शाला व माध्यमिक शाला को मिलाकर कुल 106 छात्र-छात्राओं के नाम दर्ज हैं। प्रधानाध्यापक प्रवीण पाठक ने बतलाया कि शासन के निर्देशानुसार प्राथमिक खण्ड में दो व माध्यमिक खण्ड में तीन शिक्षक पदस्थ होने चाहिए। उसके हिसाब से दोनों खण्डों में एक-एक शिक्षक के पद रिक्त हैं। ऐसी स्थिति में अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है। गांव से हाईस्कूल की दूरी अधिक होने के कारण मेरी दो बहिनें उच्च शिक्षा से वंचित हो गईं हैं जिनको आठवीं के बाद उच्च शिक्षा के लिए महेवा गांव नहीं भेजा गया है। इसका मुझे खेद है, गांव में हाईस्कूल खुल जायेगा तो गरीब परिवार की बेटियां शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बनेगीं।

इनका कहना है

इसमें छात्र संख्या व मापदण्ड को देखा जाता है इसमें गांव की दूरी हाईस्कूल से कितनी है इसको शामिल किया जाता है। परीक्षण कराकर शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा जायेगा।

रवि प्रकाश खरे, जिला शिक्षा अधिकारी पन्ना

अघोषित बिजली कटौती तथा लो वोल्टेज एवं जले हुए ट्रांसफार्मरो की समस्या को लेकर किसानों ने किया आन्दोलन, तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

बिना पैसा लिये बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा नहीं दिये जाते है ट्रान्सफार्मर

पन्ना। अघोषित बिजली कटौती से किसान परेशान, किसानों ने अमानगंज तहसील मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा है तथा ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि बिजली विभाग के गैर जिम्मेदारना रवैया से क्षेत्र के किसान भारी परेशान है। लो वोल्टेज जले हुए ट्रान्सफार्मर, अघोषित बिजली कटोती, की समस्या लगातार हो रहीं है, किसानो द्वारा बताया गया कि ट्रान्सफार्मर जल जाने के बाद रखवाने के लिए विभाग के अधिकारीयो को पांच हजार से लेकर बीस हजार तक रिश्वत देनी पड़ती है। यदि रिश्वत की रकत नहीं दी गई तो उक्त ग्राम में या किसान के खेत में ट्रान्सफार्मर नहीं उपलब्ध कराया जाता, जबकी वर्तमान समय में रवी फसल बोने तथा सिचाई करने का महत्वपूर्ण समय चल रहा है। भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत यूनियन के तत्वाधान में क्षेत्र के किसानों ने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, संबंधित विभाग के जिम्मेवार अधिकारीयों के नाम तहसीलदार अमानगंज को ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन में किसानों ने अल्टीमेट दिया है कि पांच दिवस के अंदर समस्या का समाधान किया जाए, समस्या का समाधान न होने की स्थिति में समुचित क्षेत्र सहित जिले के किसान विद्युत मंडल का घेराव करेंगे एवं अनिश्चितकालीन धरना देने को मजबूर होंगे। किसानों ने बताया की कई बार विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा चुके है, लेकिन कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। कृषि विद्युत की सप्लाई किसानों को नहीं मिल पा रही है जिससे फसलों में सिचाई नहीं हो पाती है। वहीं ट्रांसफार्मर जलने पर समय पर नहीं बदला जा रहा है। क्षेत्र भर में पुराने विद्युत पोल जर्जर अवस्था में है। इस लिए तत्काल बिजली की समुचित व्यवस्था किये जाने की मांग की है।

तीन अभ्यर्थियों के नामांकन विधिमान्य पाए गए

पन्ना। पन्ना जिले में आगामी 9 दिसम्बर को त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन अंतर्गत गुनौर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत हिनौती अमानगंज में सरपंच पद के लिए मतदान होगा। गत 25 नवम्बर को नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि तक तीन अभ्यर्थियों क्रमश: ममता बाई, अनीता बाई कोरी एवं रामबाई कोरी द्वारा रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नाम निर्देशन पत्र भर कर जमा कराए गए। उक्त तीनों नाम निर्देशन पत्र विधिमान्य पाए गए हैं। इसके अतिरिक्त गुनौर विकासखण्ड की विभिन्न ग्राम पंचायत के वार्डों में रिक्त पंच के 16 पद के उप निर्वाचन के लिए मात्र एक-एक अभ्यर्थी द्वारा जमा किए गए नामांकन भी विधिमान्य पाए गए हैं।

ग्राम पंचायत फुलवारी में मनाया गया संविधान दिवस

देवेन्द्रनगर। फुलवारी ग्राम पंचायत में भारत का संविधान 74वां दिवस मनाया गया जिसमें ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती कीर्ति बागरी जन अभियान परिषद एवं नेहरू युवा केंद्र से एम एल विश्वकर्मा नवांकुर संस्था सेक्टर प्रभारी देवेद नगर सचिव ग्राम पंचायत फुलवारी अखिलेश् गर्ग पी सी ओ नीरज श्रीवास्तव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता विश्वकर्मा रामराज बागरी रोजगार सहायक लवकुश विश्वकर्मा पंच अनीता दहायत बेटी बाई आदिवासी भगवान ढीमर की उपस्थिति में सरपंच श्रीमती कीर्ति बागरी द्वारा सभी उपस्थित लोगों के बीच में संविधान की शपथ दिलाई हम भारत के लोग भारत को एक संपूर्ण प्रभु संपन्न समाजवादी पंथ निरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना को स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर को क्षमता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दहसंकलप होकर अपनी संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर 1949 ई निमित्त मार्क शीर्ष शुक्ला सप्तमी संबद 2006 विक्रमी एट द्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियमित और आत्म समर्पित करते हैं का सभी को संकल्प दिलाया गया उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का अभार सचिव अखिलेश गर्ग द्वारा किया गया।

अधिकारियों की निगरानी में जिले भर में हो रहा है खाद का वितरण

उपलब्धता अनुसार डीएपी के साथ नैनो डीएपी एवं एनपीके वितरण की भी है वैकल्पिक व्यवस्था

पन्ना। जिला प्रशासन द्वारा जिले के किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सुगमता से खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन के निर्देशों के अनुसार खाद वितरण की निगरानी के लिए अधिकारी भी तैनात किए गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि किसानों को खाद बिक्री केन्द्रों से निगरानी में डीएपी खाद वितरण के साथ-साथ सहकारी समितियों तथा निजी विक्रेताओं द्वारा भी खाद का वितरण किया जा रहा है। पन्ना जिले में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है और सुचारू रूप से खाद का वितरण कराया जा रहा है। डीएपी की उपलब्धता अनुसार नियमित रूप से टोकन के माध्यम से वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिले में रासायनिक खाद की पर्याप्त मात्रा में सतत रूप से आपूर्ति हो रही है। किसान भाईयों को प्रारंभ से ही सलाह दी गई है कि डीएपी उर्वरक की बजाय एनपीके अथवा नैनो डीएपी का उपयोग करने से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है तथा मिट्टी के पोषक तत्वों में भी वृद्धि होगी। कटनी की झुकेही रैक से गत दिवस जिले को 280 मे. टन डीएपी खाद प्राप्त हुई है। वर्तमान में जिले में विपणन संघ के भण्डारण केन्द्रों में 1928 मे. टन यूरिया एवं 800 मे. टन एनपीके तथा 500 मे. टन टीएसपी उपलब्ध है। इसके अलावा आगामी 2 दिवस में सतना रैक प्वाइंट से जिले को पीपीएल एवं आईपीएल कम्पनी से 1020 मे. टन डीएपी तथा 374 मे. टन एनपीके भी प्राप्त होने वाली है। इसके अलावा इफको कम्पनी की डीएपी रैक से 637 मे. टन डीएपी तथा झुकेही से कृभको कम्पनी से 400 मे. टन डीएपी मिलने से निरंतर खाद की आपूर्ति बनी रहेगी। इनसे प्राप्त खाद का भी अधिकारियों की निगरानी में वितरण कराया जाएगा।

कलेक्टर ने 9 आवेदकों को प्रदान की अनुकम्पा नियुक्ति

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने मंगलवार को कलेक्टर कक्ष में जिले के विभिन्न विभागों के दिवंगत 9 शासकीय सेवकों के परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें कु. एकता सिंह महदेले की पदस्थापना तहसील कार्यालय पन्ना में, भारती रैकवार की खाद्य विभाग में, गायत्री सोनी की देवेन्द्रनगर में, मनीष कुमार वर्मा एवं दिलीप कुमार अहिरवार की पवई में, अजय कुमार कुशवाहा की शाहनगर में, पार्थ यादव एवं उमेश सिंह यादव की पन्ना कलेक्ट्रेट में तथा मनसुखराम चौधरी की पदस्थापना सिमरिया में की गई है।

1300 किलोमीटर गुजरात से पांच पद्मावती पुरी धाम पहुंचे 17 तीर्थ यात्री

पन्ना। गुजरात के वापी एवं वलसाड से 17 तीर्थ यात्री 1300 किलोमीटर की 10 बाइकों से यात्रा कर सोमवार शाम 7:00 बजे श्री पांच पद्मावती पुरी पन्ना के श्री प्राणनाथ जी मंदिर पहुंचे श्रद्धालु सुंदरसाथ। पन्ना पहुंचने पर श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तिलक राज शर्मा, सचिव राकेश कुमार शर्मा, न्यासी चंद्र कृष्ण त्रिपाठी, अभय शर्मा, दिनेश शर्मा, रंजीत शर्मा, प्रमोद शर्मा, गोपाल शर्मा, प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक आशीष शर्मा, राजेश शर्मा, बंटी भावसार, सहित मुन्ना शर्मा द्वारा श्री खेजरा मंदिर में ढोल नगाड़ों के साथ उनका आत्मिक स्वागत किया गया साथ ही तिलक लगाकर फूल माला पहनाई गई। तत्पश्चात मंदिर में दर्शन करने के उपरांत मोटरसाइकिल यात्री नगर का भ्रमण करते हुए कलेक्ट्रेट चौराहे पहुंचे जहां पर धामी समाज के लोगों ने भी उनका जोरदार स्वागत किया। पुराने कलेक्ट चौराहे से श्री प्राणनाथ जी मंदिर के मुख्य द्वार कमानी दरवाजे पहुंचे जहां पर भी उनका भव्य स्वागत किया गया। तीर्थ यात्रियों द्वारा बताया गया की दिनांक 22 नवंबर 2024 को वापी- वलसाड से बाइक द्वारा पन्ना धाम के लिए निकले थे रास्ते में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई और जगह-जगह लोगों ने हमारा स्वागत किया। बाइक सवार तीर्थ यात्रियों में केतन भावसार, राजन भावसार, प्रग्नेश भावसार, चिराग भावसार, मेहुल भावसार, रिकेश भावसार, हार्दिक भावसार चार्वाक भावसार, सुनील भावसार, मेहेर भावसार,विवेक भावसार, अंगत भावसार, प्रणव भावसार, उर्वेश भावसार जिगर भावसार, हेमिल भावसार, केतुल भावसार पहुंचे। तीर्थ यात्रियों ने बताया कि पांच पद्मावती पुरी पन्ना के श्री प्राणनाथ जी मंदिर में दर्शन की अभिलाषा को लेकर हम लोग वहां से चले थे और आज ही पन्ना धाम पहुंचकर मंदिर में माथा टेक कर ऐसा महसूस हुआ जैसे हम लोगों को यहां आकर सब कुछ मिल गया हो।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर

सीधी, गुरूवार 28 नवम्बर 2024

नगर निगम रीवा द्वारा शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार जारी है। इस क्रम में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की वाउण्ड्रीवॉल एवं बाइपास के बीच अवैध रूप से बनाये गई झुग्गी-झोपड़ी एवं गुमटियों का अतिक्रमण हटाया गया।

2 दिसंबर को आयोजित होगा वृहद रक्तदान शिविर

सर्वाधिक रक्तदान करने वाली संस्था को 26 जनवरी को किया जायेगा सम्मानित

रीवा। आगामी 2 दिसंबर को कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवणे ने आयोजन की तैयारियों की बैठक में विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में शासकीय शिक्षण संस्थाओं, सामाजिक संगठनों व स्वयंसेवी संस्थाओं की बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि शिविर में 500 यूनिट से अधिक रक्त संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी संबंधित संस्थाएँ रक्तदाताओं की पहचानकर सूची पूर्व से तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने आगामी 4 दिनों तक महाविद्यालयों में जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिये ताकि अधिक से अधिक लोगों को

प्रभारी कलेक्टर ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की

रक्तदान के लिये प्रेरित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जागरूकता शिविरों में रेडक्रास सोसायटी, चिकित्सकों तथा इस क्षेत्र में कार्य करने वाले स्वयं सेवी संगठनों की मदद ली जाय। प्रभारी कलेक्टर ने कहा कि वृहद रक्तदान शिविर में जिस संस्था द्वारा सर्वाधिक रक्तदान कराया जायेगा उसे आगामी गणतंत्र दिवस समारोह में सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि वर्षभर के रक्तदान शिविरों का कैलेण्डर तैयार करें तथा कार्ययोजनानुसार कैंपों का आयोजन करायें। प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े ने कहा कि नागरिकों से स्वेच्छा से रक्तदान करने हेतु जागरूक करें। उन्होंने कहा है कि 18 से 50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति प्रत्येक 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति के प्राण बचाने के काम आयेगा। हर व्यक्ति स्वयं रक्तदान करके शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही अन्य लोगों के लिये प्रेरित करें। रक्तदान करने से हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। रक्तदान शिविर के लिये सामाजिक संगठन तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायें। जिले में नियमित अंतराल से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे। कई बार समय पर रक्त प्राप्त न होने से गंभीर रोगियों के प्राण संकट में पड़ जाते हैं। शरीर से जितना रक्त बाहर निकलता है उसका निर्माण कुछ ही दिनों में पुनः हो जाता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति 45 दिनों के अंतराल से नियमित अंतराल कर सकता है। जब हम रक्तदान करते हैं तो हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण होता है। आपके द्वारा किये गये स्वैच्छिक रक्तदान का उपयोग गंभीर रोगियों के प्राण बचाने में किया जायेगा। बैठक में सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ल, सिविल सर्जन डॉ. केएल गुप्ता, अध्यक्ष रेडक्रास समिति डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, समाजसेवी परमजीत सिंह ढंग सहित महाविद्यालयों के संस्था प्रमुख, सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मनाया गया संविधान दिवस

रीवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीर्वाद भिलाला के नेतृत्व में गत 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर मेजर शहीद आशीष दुबे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनगवां में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आशीर्वाद भिलाला ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का संविधान संसार का सबसे बडा लिखित संविधान है और यह 26 नवम्बर 1949 में बनकर पूर्ण हुआ था। इसी कारण इस दिन संविधान दिवस का आयोजन किया जाता है। मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये उन्होंने कहा कि हमे अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी याद रखना चाहिये तथा उनका पालन करना चाहिये। विशेष न्यायाधीश पाक्सों श्रीमती कंचन गुप्ता ने पाक्सों अधिनियम एवं कार्यस्थल पर महिलाओ का लैगिक उत्पीडन से संरक्षण अधिनियम के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा ने निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। श्री अनीश पाण्डेय ने सविधान की प्रस्तावना के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत की संविधान की प्रस्तावना में सविधान के सभी उद्देश्य समाहित है। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन मनोज कुमार त्रिपाठी एवं आभार शिक्षक धनेन्द्र मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक आसुतोष शुक्ला, श्यामलाल कुशवाहा, देशराज बैस, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राए उपस्थित रही। इस अवसर पर संविधान पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विजेता छात्रा प्रीती पटेल, खुशी द्विवेदी, रीना साकेत को न्यायाधीशगण द्वारा शील्ड देकर पुरूस्कृत किया गया। छात्र ओम प्रकाश बंशल द्वारा भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का स्केच बनाया गया उन्हें सम्मानित किया गया।

उप निर्वाचन के लिये रेण्डमाइजेशन आज

रीवा। पंचायतों एवं नगरीय निकायों के उप निर्वाचन 2024 के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 28 एवं 29 नवम्बर को प्रातः 10.30 बजे से शायं 6 बजे तक शासकीय पालीटेक्निक कालेज रीवा के हाल क्रमांक जी-12 में एफएलसी की जायेगी। इसी क्रम में एक दिसंबर को प्रातः 11.30 बजे कलेक्ट्रेट के एमआईसी में जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर रेण्डमाइजेशन तदुपरांत अपरान्ह 3 बजे शासकीय पालीटेक्निक कालेज में रिटर्निंग अधिकारी स्तर पर रेण्डमाइजेशन व मशीनों का वितरण किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 दिसंबर को रिटर्निंग स्तर पर रेण्डमाइजेशन प्रातः 11.30 बजे से कलेक्ट्रेट के एनआईसी में होगा तथा 3 एवं 5 दिसंबर को मशीनों की कमीशनिंग प्रातः 10.30 बजे से रिटर्निंग अधिकारी द्वारा किया जायेगा। उन्होंने राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से उक्त अवसर पर उपस्थिति की अपेक्षा की है।

हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल करें : कमिश्नर

कमिश्नर ने मतदान केन्द्र जाकर लिया मतदाता सूची पुनरीक्षण का जायजा

रीवा। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करके मतदाता सूची पुनरीक्षण का जायजा लिया। कमिश्नर ने विधानसभा क्षेत्र रीवा के मतदान केन्द्र क्रमांक 83, 84, 85, 94, 95 और 86 का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 20 और 21 का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित बीएलओ को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक

मतदाता का घर-घर जाकर सत्यापन करें। हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल करें। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अर्हता की तिथि एक जनवरी 2025 को 18 साल की आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं के नाम भी मतदाता सूची में शामिल कराएं। इसके लिए ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य मैदानी कर्मचारियों का सहयोग लें। कमिश्नर ने बीएलओ से मतदाताओं के सत्यापन की प्रक्रिया, फार्म 6, फार्म 7 तथा फार्म 8 से मतदाता सूची में की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी ली।

कमिश्नर ने कहा कि ग्राम पंचायत से मृतकों की सूची लेकर मृत मतदाताओं के नाम सूची से पृथक करें। कमिश्नर ने रीवा नगर निगम क्षेत्र के ज्योति स्कूल में बनाए गए मतदान केन्द्रों तथा ग्राम चोरगड़ी प्राथमिक शाला क्रमांक दो में बनाए गए मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने एसडीएम हुजूर को मतदान केन्द्र क्रमांक 85, 86 और 95 के अनुपस्थित बीएलओ को कारण बताओ नोटिस देकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के समय अपर कमिश्नर अरूण परमार, एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी, एसडीएम रायपुर कर्चुलियान पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला, तहसीलदार गुढ़ विनयमूर्ति शर्मा, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन आज तक आमंत्रित

रीवा। लिपिक वर्गीय कर्मचारियों एवं अर्द्धशासकीय विभाग के कर्मचारियों के लिए एक दिसम्बर 2024 से 15 फरवरी 2025 तक लेखा प्रशिक्षण दिया जायेगा। लेखा प्रशिक्षण शाला के प्राचार्य प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि लेखा प्रशिक्षण का नियमित सत्र प्रारंभ हो रहा है। प्रशिक्षण के लिए इच्छुक कर्मचारियों के आवेदन 28 नवम्बर तक कार्यालय में स्वीकार किए जाएंगे। लेखा प्रशिक्षण के प्राचार्य ने बताया कि अर्द्धशासकीय विभाग के प्रशिक्षणार्थियों को 2 हजार रूपये का चालान शीर्ष 0070 अन्य प्रशासनिक सेवाएं 800 अन्य प्राप्तियों 00-101-0000-00 में जमा कराकर आवेदन पत्र के साथ जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में वही लिपिक वर्गीय कर्मचारी शामिल हो सकेंगे जिनकी सेवा नियमित रूप से एक वर्ष से अधिक हो तथा जो हिन्दी मुद्रलेखन, सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण हो।

शासकीय अशासकीय शालाओं में इस वर्ष 16 दिसम्बर से होगा अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किये निर्देश

रीवा। प्रदेश की शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में इस वर्ष 16 दिसम्बर से अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन किया जायेगा। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा 3 से 8 की सभी शासकीय शालाओं, अशासकीय शालाओं के साथ मदरसों में भी होगा। अद्धवार्षिक मूल्यांकन 16 से 21 दिसम्बर की अवधि में किया जायेगा। अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 30 नवम्बर 2024 तक पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के अनुसार किया जायेगा। मूल्यांकन के लिये प्रश्न पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र तैयार कर रहा है। कक्षा 5 और 8 के विषयवार प्राप्त अंकों की प्रविष्टि परीक्षा पोर्टल पर की जायेगी। अधिभार की गणना शाला द्वारा नहीं की जायेगी। यह गणना सॉफ्टवेयर में स्वतः ही हो जायेगी। इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दिये गये हैं। कक्षा 5 और 8 के बच्चों की पंजीकरण की व्यवस्था ऑनलाइन पोर्टल पर की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने त्स्त्र्स्व पोर्टल पर पूर्व से कार्यरत अतिरिक्त अतिथि शिक्षकों को रिलीव करने के संबंध में प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। निर्देश में बताया गया है कि शासकीय शालाओं में नवीन भर्ती से शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इसके साथ ही उच्च पद प्रभार से भी शिक्षक पदस्थ किये गये हैं। इस कारण स्वीकृत पद के विरूद्ध रिक्त पद उपलब्ध न होने पर संबंधित विषय में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को रिलीव किया जाना होगा। इस संदर्भ में एक ही विषय में एक से अधिक अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं तथा रिक्त पद एक ही है, तो अतिथि शिक्षक को रिलीव करने की कार्यवाही की जायेगी।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना ने संदीप को बनाया उद्यमी

रीवा। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना मऊगंज जिले के देवतालाब निवासी संदीप के लिए वरदान सावित हुई। इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर उद्यमी बनाने में सहयोग किया। अब वह अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर प्रतिमाह 2 लाख रूपये की आमदनी कर रहे हैं। संदीप बताते हैं कि मैं एक बेरोजगार युवक था मैंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना की जानकारी उद्योग विभाग से प्राप्त की और मुझे विभाग द्वारा ऋण प्रदाय करने के लिए आवेदन करने हेतु कहा गया। मैंने फेब्रिकेशन व्यवसाय के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट सहित अन्य जरूरी कागज आवेदन के साथ आनलाइन जमा किया।

हनुमना में 29 नवम्बर को रोजगार मेला

रोजगार मेले में 7 कंपनियों द्वारा किया जाएगा युवाओं का चयन

रीवा। सेठ रधुनाथ प्रसाद महाविद्यालय हनुमना में 29 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। रोजगार मेला मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मेले में 7 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 8000 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रा. लि. इंदौर, द ई पाई डाट काम (हावेल्स सोलर प्लांट) रीवा, ग्रो फास्ट एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स लि. तथा एसआईएस सिक्युरिटी सर्विसेस सिंगरौली में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

कलेक्टर कांफ्रेंस 29 नवम्बर को

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में 29 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में कलेक्टर कांफ्रेंस आयोजित की जा रही है। बैठक में कमिश्नर राजस्व कार्यों, पेयजल व्यवस्था तथा विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा करेंगे। बैठक में प्रातः 11 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक संवेदनशील विषयों पर कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12.30 बजे से दोपहर एक बजे तक राजस्व महाअभियान एवं वन व्यवस्थापन की समीक्षा की जाएगी।

रीवा शहर को मिली चौथे फ्लाईओवर की सौगात

सिरमौर चौराहा फ्लाईओवर के थर्ड लेग बनने से आवागमन हुआ सुगम

रीवा। रीवा शहर का तेजी से विकास हो रहा है। शहर में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इन वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों की आवश्यकता है। घनी आबादी के क्षेत्र में पर्याप्त जमीन उपलब्ध न होने के कारण सड़कों को पर्याप्त चौड़ा करने में कठिनाई है। इस समस्या का समाधान फ्लाईओवर निर्माण से हो रहा है। रीवा में सिरमौर चौराहे में पहले फ्लाईओवर का निर्माण कराया गया था। इससे चौराहे में लगने वाले जाम की समस्या से मुक्ति मिली। सिरमौर चौराहे से सिरमौर की ओर जाने वाले मार्ग में इंजीनियरिंग कालेज, यूनिवर्सिटी सहित अनेक शिक्षण संस्थान हैं। इस मार्ग पर भी वाहनों की बढ़ती

संख्या के कारण आवागमन में बहुत अधिक समय लगता था। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के विशेष प्रयासों से सिरमौर चौराहा फ्लाईओवर में थर्ड लेग का निर्माण बोदाबाग तथा यूनिवर्सिटी रोड की ओर किया गया। इसके बन जाने से सिरमौर चौराहे में आवागमन सुगम हो गया है।

इस संबंध में कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु वसीम खान ने बताया कि थर्ड लेग के निर्माण के लिए 26 मई 2022 को शासन से स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके लिए 39 करोड़ 42 लाख 77 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। इसके निर्माण की जिम्मेदारी मेसर्स विन्ध्या कन्स्ट्रक्शन कंपनी सतना को सौंपी गई। शहर का व्यस्ततम चौराहा होने के कारण निर्माण कार्य में कई तरह की बाधाएं आईं। सड़क के मध्य में फ्लाईओवर के लिए पिलर बनाने के साथ-साथ सर्विस रोड के किनारे सीवर लाइन और पेयजल पाइपलाइन लगाने का कार्य नगर निगम के साथ समन्वय बनाकर किया गया। निर्धारित अवधि से 6 माह पहले ही थर्ड लेग का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। रात में रंगीन प्रकाश से जगमग फ्लाईओवर का थर्ड लेग रीवा शहर को और अधिक खूबसूरत बनाता है। थर्ड लेग के निर्माण से सिरमौर चौराहा और बोदाबाग में लगने वाले वाहनों के जाम की समस्या समाप्त हो गई है। साथ ही सिविल लाइन रोड पर भी वाहनों का अतिरिक्त दबाव समाप्त हो गया है। सेतु निगम में रीवा शहर को इस वर्ष थर्ड लेग के रूप में बड़ी सौगात दी है।

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सूवधा

अब रीवा (म.प्र.) के लाइफ केयर हॉस्पिटल में

लेज़र मशीन द्वारा

बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिसचुला (भगंदर), फिशर्स, पाइलोनाईडल सायनस एवं वेरिकोज वेन्स ऑपरेशन की सुविधा शुरू

लेजर फायदें

- अस्पताल में रहने की आवश्यकता नहीं
- ऑपरेशन के पश्चात कम से कम तकलीफ
- रक्तस्राव व दर्द कम एवं कम समय में ही अस्पताल से छुट्टी
- किसी भी पारंपरिक इलाज से बहुत प्रभावी एवं गुणकारी
- फिर से होने की संभावना सबसे कम
- कम से कम समय में काम पुनः शुरू कर सकते है

उपलब्ध सुविधाएँ

- आकस्मिक चिकित्सा इकाई
- गहन चिकित्सा
- खून जाँच एवं डिजिटल एक्स-रे केन्द्र
- दवाईयाँ
- प्रसूति कक्ष
- शल्य चिकित्सा कक्ष
- शल्य कियोत्तर कक्ष

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार की सुविधा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे-

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.)

8435896118, 9630131919, 7898847200

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17,** दूरभाष : 09424315633,7389444833